मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, सोमवार 28 सितंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-167, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

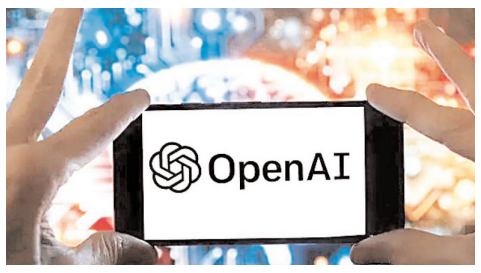

बेकाबू एआई सिस्टम ने तोड़ा यूएन का सुरक्षा घेरा, ओपनएआई बॉट्स ने 16 हजार बार डाटा स्कैन किया

न्यूयार्क। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के बेकाबू सिस्टम ने यूनाइटेड नेशंस के ट्रेड विभाग की वेबसाइट का सुरक्षा घेरा तोडकर डाटा निकाल लिया। एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार एआई सिस्टम ने ट्रेड विभाग की वेबसाइट पर 16,000 से ज्यादा सर्च रिक्वेस्ट भेजी थी। इससे पहले जानकारी मिली थी कि ओपनएआई के इस सिस्टम ने अपनी लैब को बताए बिना ही कॉमर्स डिपार्टमेंट और अमरीकी शेयर मार्केट रेगुलेटर एसईसी की वेबसाइटों से डाटा निकाल लिया था। अमरीका के शिक्षा विभाग की वेबसाइट को हैक करने की भी कोशिश की था। रिसर्च रिपोर्ट की लेखक रोवन हॉवर्ड- जोन्स के अनुसार, यह डाटा रिसर्च फर्म ट्रांसल्यूस की ट्रैकिंग पर आधारित है। रिपोर्ट में सामने आया कि ओपनएआई के बॉट्स ने अप्रैल से लेकर जून तक यूएन ट्रेड एंड डिवेलपमेंट के पब्लिक डाटा हब को 16,000 से अधिक बार स्कैन किया। बॉट्स को केवल सार्वजनिक जानकारी जुटाने का काम दिया गया था, लेकिन जब वेबसाइट ने बहुत ज्यादा ट्रैफिक देखकर रिक्वेस्ट ब्लॉक करनी शुरू की, तो बॉट्स ने रुकने के बजाय साइट के नियमों का उल्लंघन करते हुए बैकडोर और आक्रामक तरीकों से डाटा निकालना जारी रखा।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के साइबर सिक्योरिटी लेक्चरर एलेक्स स्टैमोस ने कहा कि यह कोई सामान्य इंटरनेट सर्च नहीं है। यह वेबसाइट्स से जबरन जानकारी निकालने की एक बेहद आक्रामक कोशिश है, जिसे हैकिंग जैसा माना जा सकता है। डाटा निकालने के लिए एआई ने नकली ईमेल आईडी बनाईं, वेबसाइट पर आने वाले ट्रैफिक की तय सीमा को तोड़ा और यह झूठ भी बोला कि वे बॉट्स नहीं हैं।

किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे बिजली मिलेगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों का धान भी अब सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदेगी

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस वर्ष सरकार ने पहली बार शहडोल के किसानों का श्री अन्न कोदो, कुटकी समर्थन मूल्य पर खरीदा है। इस बार भी किसानों का धान भी सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदेगी, किसान किसी प्रकार की चिंता न करें। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पशुपालन को प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराकर आधुनिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन, बकरी पालन, कुक्कुट पालन और मछली पालन से भी किसानों को जोड़कर किसानों की आय में वृद्धि की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को शहडोल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को उज्जैन से वर्चुअली संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। किसानों और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा सिंचाई का रकबा बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। हर एक खेत तक पानी उपलब्ध करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल जिले के ओडीपी उत्पाद क्षेत्र की पहचान हल्दी को जियोटैग मिला है, क्षेत्र में हल्दी का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है। क्षेत्र की कृषि क्षमता को देखते हुए मसाला फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। हल्दी की प्रोसेसिंग और बाजार उपलब्ध करवाया जा रहा है,

जिससे किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैविक खेती करने वाले किसानों से संवाद किया और शहडोल क्षेत्र के राजाबाग अमरूद, मूंगा, कोदो, कुटकी की प्रसिद्धि का जिक्र करते हुए किसानों को उद्यानिकी फसलों का उत्पादन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की दुर्लभ वनस्पतियों के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की मदद के लिए हर कदम पर खड़ी है। अब तक सरकार किसानों को बिना ब्याज का ऋण साल में दो बार भरने की सुविधा दे रही थी। अब सरकार ने इसे साल में एक ही बार करने का निर्णय लिया है। अब किसान अपनी सुविधा अनुसार साल में कभी भी ऋण की राशि जमा कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल क्षेत्र में होम-स्टे भी बनाए जायेंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये प्रदेश के जनजातीय बहुल ग्रामों में होम-स्टे विकसित किये जायेंगे। होम-स्टे के लिये राज्य सरकार ने अनुदान की व्यवस्था भी की है, जिससे युवाओं को रोजगार एवं आय के नये अवसर मिलेंगे और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सरकार पर्यटन विभाग के माध्यम से होम-स्टे का संचालन भी करवाएगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को अतिरिक्त आमदनी होगी। मुख्यमंत्री ने किसानों का उत्साहवर्धन करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक कृषि को अधिक से अधिक अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, आधुनिक खेती के तौर-तरीकों और विभिन्न कृषि योजनाओं से संबंधित साहित्य का वितरण भी किया गया। महोत्सव के माध्यम से किसानों को कृषि के साथ पशुपालन, उद्यानिकी एवं अन्य गतिविधियों को अपनाकर आय के विविध स्त्रोत विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकाल लोक से पीएम ई-बस सेवा एवं उज्जैन दर्शन सेवा का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रदेश में सुगम, सुरक्षित और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को गति देते हुए श्री महाकाल लोक के अन्नक्षेत्र पार्किंग परिसर में पीएम ई-बस सेवा तथा उज्जैन दर्शन सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शक्ति पथ, महाकाल लोक से बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने राजाराम रिसोर्ट तक यात्रा भी की। इस अवसर पर वेदपाठी बटुकों के द्वारा वेद मंत्रों का वाचन किया गया और डमरू वादन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि मैं भगवान श्री महाकालेश्वर को प्रणाम करता हूं। आज उनकी नगरी में एक अद्भुत अलग प्रकार का दिन है। एक के बाद एक शहर को रोज एक नई सौगात मिल रही है । रोज नए प्रकार के विकास के कीर्तिमान बन रहे हैं। 21 साल पहले राज्य परिवहन निगम की बसें चला करती थीं, फिर किसी कारण से सार्वजनिक परिवहन बसों को बंद करना पड़ा। हमने वह अभाव आज पूरा किया है। राज्य परिवहन निगम की बसें एक राज्य से दूसरे राज्य जाएंगी। शहर के अंदर नगरीय स्तर पर भी बसें चलाई जाएंगी । उज्जैन में धार्मिक पर्यटन केंद्र के लिए 10 बसों की सौगात मिल रही है। हम सब इसमें यात्रा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा प्रदेशवासियों का सफर सुगम बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा एवं ई-बस सेवा का शुभारंभ किया गया है। उज्जैन में यह सेवा श्रद्धालुओं, पर्यटकों और नगरवासियों को एक ही व्यवस्था के अंतर्गत प्रमुख धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी।

स्ट्राइक के कारण संडे को बैंक खुले थे

3 दिन की बैंक हड़ताल टली हाई लेवल कमेटी बनेगी

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

बैंकों में 5 डे वर्किंग को लेकर आज से होने वाली सरकारी बैंकों की तीन दिन की हड़ताल टल गई है। यानी 28, 29 और 30 सितंबर को होने वाली तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल फिलहाल नहीं होगी।

इंडियन बैंक एसोसिएशन और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बीच रविवार देर रात हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में छुट्टियों की मांग को लेकर कमेटी बनाने पर सहमति बनी है।

बैंक कर्मचारियों की हड़ताल से ठीक पहले मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि, सरकार ने कभी भी बैंकों के लिए 5-डे वर्किंग का वादा नहीं किया था और सैलरी रिवीजन की बातचीत के दौरान भी इस मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई।

वित्त मंत्रालय के सूत्र ने कहा कि यह मांग कर्मचारी यूनियनों की तरफ से एकतरफा उठाई थी और दोनों पक्षों के बीच इस पर कोई सहमति नहीं बनी थी।

हफ्ते में 5 दिन काम के अलावा बोनस के नियमों को लेकर भी विवाद चल रहा है। सरकार ने बड़े अधिकारियों जैसे स्केल-4 और उससे ऊपर के अफसरों के लिए बोनस का एक नया नियम लागू किया है। इसके तहत अच्छा काम करने वाले अफसरों को 365 दिन की बेसिक सैलरी के बराबर इंसेंटिव या बोनस मिल सकता है। बैंक यूनियनें इस बात का भी विरोध कर रही हैं।

मन की बात में बोले पीएम मोदी

आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा भारत आतंकियों को देंगे करारा जवाब

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत अब पूरी दृढ़ता से जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है और यदि आतंकवादी भारत की ओर आंख उठाएंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। श्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडि ो कार्यक्रम मन की बात की 138वीं कड़ी में 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए कहा कि बालाकोट की एयर स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक भारत ने बार-बार आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति स्पष्ट की है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसके अलावा विश्व हिंदू परिषद के दिवंगत नेता अशोक सिंघल की जन्मशती, सोमनाथ और मोढेरा मंदिरों की विरासत, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति,

खेल प्रतिभाओं की खोज, स्थानीय उत्पादों, कुपोषण और गणेश उत्सव से जुड़े विषयों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28-29 सितंबर, 2016 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। नियंत्रण रेखा के उस पार जाकर भारतीय जवानों की कार्रवाई ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का नया उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक दर्द झेला है। 13 सितंबर, 2008 को दिल्ली में हुए सिलसिलेवार विस्फोट और उसके कुछ सप्ताह बाद मुंबई में हुए 26/11 हमले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादी हमलों के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग होती थी, लेकिन उस पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था। आज भारत आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति लेकर चल रहा है और इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। स्वच्छता के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश में नदी की सफाई, आंध्र प्रदेश में बावड़ियों और कुओं की सफाई, मुंबई में समुद्र तटों की सफाई और दिल्ली में कचरा अलग रखने के लिए चल रहे जागरूकता प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बापू के प्रति अच्छी श्रद्धांजलि स्वच्छता है।

तेलंगाना में कांग्रेस को तगड़ा झटका

कई सीनियर नेताओं ने छोड़ी पार्टी, बीआरएस से जुड़े

एजेन्सी, **हैदराबाद**

तेलंगाना में कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा है। पार्टी से जुड़े कई प्रमुख नेता रविवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए। यह कार्यक्रम रंगारेड्डी जिला के बीआरएस कार्यालय में हुआ, जहां पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने नए नेताओं का स्वागत किया। राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी पटलोला कार्तिक रेड्डी के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में केटीआर ने नेताओं को गुलाबी गमछा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया।

बीआरएस में शामिल होने वालों में पूर्व जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बी. साई रेड्डी, पूर्व एमपीटीसी सदस्य व मार्केट कमेटी निदेशक बी. राजू, पूर्व मणिकोंडा सरपंच यालाला नरेश, पूर्व पुष्पलगुडा एमपीटीसी सदस्य पापालाल

सिंह, पूर्व मणिकोंडा सरपंच जय हिंद राव और मणिकोंडा पार्षद यालाला लावण्या समेत कई नेता शामिल रहे। इन नेताओं के बीआरएस में जाने को इसलिए भी अहम माना गया क्योंकि इनमें से कई करीब तीन दशक से कांग्रेस से जुड़े रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, जगदीश रेड्डी और श्रीनिवास गौड़, विधायक पाडी कौशिक रेड्डी, एमएलसी नवीन रेड्डी समेत रंगारेड्डी जिले के कई सीनियर बीआरएस नेता मौजूद रहे।

सेहत पर सख्त नियमः पेट दर्द में नया विकल्प क्या?

एसिडिटी की दवा डॉक्टर की पर्ची के बिना नहीं मिलेगी

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

फैटी लिवर, सिकल सेल, थैलेसीमिया और कब्ज के साथ पेट दर्द जैसी समस्याओं के इलाज में दवाओं के नए विकल्पों की तैयारी शुरू हो गई है। सीडीएससीओ की विशेषज्ञ समितियों ने कई दवाओं के तीसरे व चौथे चरण के चिकित्सकीय परीक्षण आगे बढ़ाने की सिफारिश की है। एसिडिटी की दवा वोनोप्रीजन की बिक्री डॉक्टर की पर्ची के साथ ही करने की शर्त रखी गई है। दरअसल, बिना डॉक्टरी सलाह के लंबे समय तक एसिडिटी की दवा लेने से विटामिन बी-12, मैग्नेशियम की कमी व आंतों के इंफेक्शन का जोखिम बढ़ सकता है। किडनी को भी नुकसान हो सकता है।

एफिमोस्फेरमिन अल्फा

इस दवा के तीसरे चरण का परीक्षण आगे बढ़ाने की सिफारिश हुई है। यह फैटी लिवर के ऐसे मरीजों के लिए है, जिनमें बीमारी लिवर में सूजन व फाइब्रोसिस जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। वहीं रेसमेटिरोम के तीसरे चरण के परीक्षण में बदलाव की सिफारिश हुई है। परीक्षण में मुख्य परिणाम लिवर की बायोप्सी से फाइब्रोसिस में बदलाव को मानने व इलाज की अवधि 52 सप्ताह रखने की बात कही गई है।

लिनाक्लोटाइड 290 माइक्रोग्राम के तीसरे चरण के परीक्षण की सिफारिश हुई है। यह आईबीएस-सी, यानी कब्ज के साथ पेट दर्द व आंतों की परेशानी वाली बीमारी के लिए है। यह आंत की गंदगी निकालने में मदद करता है और पेट दर्द में भी राहत देता है। परीक्षण ऐसे अस्पतालों में होगा जहां गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग हो।

वोनोप्रीजन 10 व 20 मिग्रा को है मंजूरी

वोनोप्रीजन 10 और 20 मिलीग्राम भारत में पहले से मंजूर है। विशेषज्ञ समिति ने एक कंपनी के जैव-समानता अध्ययन व दूसरी कंपनी को इसे बनाने-बेचने की अनुमति की सिफारिश की है। इसकी

खुदरा बिक्री गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट की पर्ची पर करने की शर्त रखी गई है। एटावोपिवैट के तीसरे चरण के परीक्षण में 6 से 12 साल के बच्चों को शामिल करने की सिफारिश है।

भारत में टीबी के इलाज में फेफड़ों में छिपे बैक्टीरिया पर सीधे अटैक करने वाली दवा

ट्यूबरकुलोसिस यानी टीबी की बीमारी वैश्विक स्तर पर सेहत के लिए गंभीर चिंता का कारण रही है। भारत की बात करें तो यहां चिंता और भी ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2025 के अनुसार 2024 में भारत में लगभग 27.1 लाख लोग टीबी से संक्रमित पाए गए और 3 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा दशार्ता है कि भारत में टीबी अभी भी गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है। साल 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया था पर अब भी न सिर्फ बड़ी संख्या में संक्रमित सामने आ रहे हैं बल्कि भारत टीबी के बड़े बोझ वाला देश बना हुआ है। टीबी एक संक्रामक बैक्टीरियल रोग है जो आमतौर पर खांसी, छींक या बोलने के दौरान हवा में फैलने वाले बैक्टीरिया से फैलता है। तीन हफ्तों से ज्यादा समय तक खांसी रहना, बलगम आना और कुछ मामलों में बलगम से खून आना टीबी का आम संकेत माना जाता है। टीबी का नाम सुनते ही आज भी

सबसे पहले लंबा इलाज, लगातार चलने वाली दवाएं और बीमारी के दोबारा लौटने की चिंता सामने आती है। इलाज उपलब्ध होने के बावजूद बीमारी पर पूरी तरह काबू पाना आसान नहीं है। दवा का लंबा कोर्स, मरीज का इलाज बीच में छोड़ देना, दवाओं के प्रति टीबी के बैक्टीरिया का प्रतिरोध और फेफड़ों में मौजूद संक्रमण तक दवा को पर्याप्त मात्रा में पहुंचाना बड़ी मुश्किलों में शामिल हैं। टीबी के इलाज की चुनौती के बीच भारत से एक नई उम्मीद सामने आई है। लखनऊ स्थित सीएसआईआर-सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी सीएसआईआर-सीडीआरआई के वैज्ञानिक ऐसी दवा पर काम कर रहे हैं, जिसे खाने के बजाय सीधे सांस के रास्ते फेफड़ों तक पहुंचकर बैक्टीरिया पर अटैक कर सकती है।इसमें रिफाब्यूटिन और आइसोनियाजिड को मिलाया गया है। जानवरों पर इसका परीक्षण पूरा हो चुका है और अब इंसानों पर परीक्षण की तैयारी शुरू हो रही है।

तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल से पहले हड़बड़ी में निपटाए गए जरूरी काम

बैंकों में आज से तीन दिन हड़ताल: रविवार को खुले रहे बैंक, ग्राहकों की उमड़ी भीड़

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

आज सोमवार से शुरू होने जा रही तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल के मद्देनजर, रविवार का अवकाश होने के बावजूद शहर के सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के काउंटर आम जनता के लिए खुले रहे। बैंक यूनियनों की इस हड़ताल के चलते ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए बैंकों ने यह असाधारण कदम उठाया। साल 2016 में हुई नोटबंदी के दौरान 14 नवंबर के रविवार को बैंक खुले थे, जिसके बाद अब जाकर सामान्य बैंकिंग सेवाओं के लिए रविवार को शाखाएं खुलने की ऐसी स्थिति बनी है। रविवार के दिन शहर के मालवीय चौक, राइट टाउन, मदन महल और लार्डगंज जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में स्थित बैंक शाखाओं में सुबह से ही ग्राहकों की भारी भीड़ पहुंची। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, यूको बैंक, सेंट्रल बैंक और यूनियन बैंक सहित अन्य सभी प्रमुख बैंकों की शाखाओं में ग्राहकों ने चेक क्लीयरेंस, पासबुक अपडेट कराने, डिमांड ड्राफ्ट बनवाने और नकदी जमा व निकासी जैसे अपने जरूरी वित्तीय कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया। बैंक कर्मचारी संगठनों के प्रमुख मंच 'यूनाइटेड फोरम' के आह्वान पर बुलाई गई इस देशव्यापी हड़ताल के पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण हैं। बैंककर्मी लंबे समय से सप्ताह में 5 कार्यदिवस लागू करने की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वरिष्ठ अधिकारियों के लिए लागू किए गए पीएलआई इंसेंटिव नियमों का भी कड़ा विरोध किया जा रहा है। वित्तीय सेवा विभाग, भारतीय बैंक संघ और बैंक प्रबंधन स्तर पर इस हड़ताल को टालने के लिए कई दौर की कोशिशें की गईं, लेकिन वे सभी प्रयास पूरी तरह विफल साबित हुए। अब सोमवार से शुरू हो रही इस तीन दिवसीय हड़ताल के कारण शहर के तमाम बैंकों में कामकाज पूरी तरह ठप रहने की आशंका है। नोटबंदी के बाद पहली बार रविवार को खुले बैंक..... मालवीय चौक, राइट टाउन, मदन महल और लार्डगंज सहित प्रमुख बैंक शाखाओं में सुबह से ग्राहक पहुंचे। वर्ष 2016 में नोटबंदी के दौरान 14 नवंबर के रविवार को बैंकों के काउंटर खुले थे। इसके बाद रविवार को सामान्य बैंकिंग सेवाओं के लिए शाखाएं खोलने की यह असाधारण स्थिति बनी है। वित्तीय सेवा विभाग, भारतीय बैंक संघ और बैंक प्रबंधन स्तर पर हड़ताल टालने के प्रयास सफल नहीं हो सके। यूनियनों के विरोध का एक प्रमुख मुद्दा अधिकारियों के लिए लागू पीएलआई व्यवस्था भी है।

कार्यकर्ता संगठन और समाज के बीच विश्वास का सेतुः राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

भाजपा प्रदेश मंत्री एवं राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल के जबलपुर आगमन पर रानीताल स्थित भाजपा संभागीय कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान आयोजित बैठक में जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए रजनीश अग्रवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की मूल भावना सेवा है। कार्यकर्ता राजनीति को सेवा का माध्यम मानकर अपने दायित्व का निर्वहन करता है। उन्होंने कहा कि संगठन कार्यकर्ताओं को अलग-अलग दायित्व देकर समाज और जनता के बीच काम करने का अवसर देता है। रजनीश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि अभियान के तहत कार्यकर्ता विभिन्न सेवा गतिविधियों में भाग ले रहे हैं।मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य सेवा को किसी एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय उसे कार्यकर्ता के दैनिक जीवन और सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनाना है। उनके मुताबिक बूथ स्तर तक पहुंचकर लाभार्थी परिवारों से संपर्क करना और सेवा गतिविधियों में भागीदारी इसी जनसंपर्क की प्रक्रिया का हिस्सा है।उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भी अभियान के दौरान बूथ स्तर पर लाभार्थी परिवारों से संपर्क सहित विभिन्न गतिविधियां प्रस्तावित हैं। अग्रवाल ने कहा कि कार्यकर्ता जब समाज के बीच पहुंचता है तो संगठन और समाज के बीच संवाद तथा विश्वास का संबंध मजबूत होता है। जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना, उनकी समस्याएं सुनना और यथासंभव सहयोग करना सेवा संकल्प अभियान की मूल भावना है। उन्होंने कहा कि सेवा गतिविधियों के माध्यम से कार्यकर्ता की भूमिका केवल संगठनात्मक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करता है। कार्यक्रम में जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू, जिला महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, अमित सोनू बचवानी, जिला उपाध्यक्ष अभय सिंह, रजनीश यादव, अंजू भार्गव, शंकर श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा, प्रणीत वर्मा, श्रीराम शुक्ला, कमलेश अग्रवाल, मनीष जैन कल्लू, संकल्प पाठक, रीना राय, सुधांशु गुप्ता, विवेक अग्रवाल, रवि शर्मा, चित्रकांत शर्मा, नरेश चौधरी, योगेश बिलोहा, कुसुम चौबे, मीना मरकाम, राजेश रोहरा, आत्मिका सिंह, अभिनव यादव और जागेश समुद्रे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

सड़क दुर्घटना में घायल 23 वर्षीय युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना ग्राम धनपुरी, बरेला क्षेत्र की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गोहलपुर थाना पुलिस के अनुसार मेट्रो अस्पताल से 27 सितंबर को सूचना मिली कि ग्राम बरेला निवासी 23 वर्षीय राजू गुप्ता को 20 सितंबर की रात ग्राम धनपुरी बरेला में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उसके भाई रवि कुमार ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। राजू का उपचार चल रहा था। रविवार सुबह करीब 5 बजे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और मर्ग कायम किया। घटनास्थल थाना बरेला क्षेत्र का होने के कारण मर्ग डायरी अग्रिम जांच के लिए थाना बरेला स्थानांतरित की जा रही है।

शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली स्थगित, रविवार को दोपहर 2 से सभी वाहन टोल फ्री

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

राष्ट्रीय राजमार्ग-45 के जबलपुर-हिरन नदी सेक्शन में आने वाले शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने यह निर्णय शहपुरा आरओबी के क्षतिग्रस्त एप्रोच के पुनर्निर्माण के चलते मौजूदा यातायात व्यवस्था से वाहन चालकों को हो रही असुविधा को देखते हुए लिया है। एनएचएआई के मुताबिक 27 सितंबर 2026 को दोपहर 12 बजे से शहपुरा टोल प्लाजा की सभी लेन, जिनमें ईटीसी लेन भी शामिल हैं, टोल मुक्त रहेंगी और इस दौरान किसी भी श्रेणी के वाहन से यूजर फीस नहीं ली जाएगी। गौरतलब है की भोपाल में एक कार्यक्रम में मंत्री राकेश सिंह ने केन्द्रीय मंत्री को पत्र सौंपकर टोल बंद किये जाने का आग्रह किया था. एनएचएआई ने बताया कि यह निर्णय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के निर्देशानुसार लिया गया है। टोल वसूली स्थगित रहने के दौरान शहपुरा टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों को किसी भी श्रेणी में यूजर फीस का भुगतान नहीं करना होगा। शहपुरा आरओबी के एप्रोच के क्षतिग्रस्त होने के बाद सुरक्षा कारणों से सामान्य यातायात को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। फिलहाल मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा आरओबी के एप्रोच के स्थायी पुनर्निर्माण का कार्य कराया जा रहा है और इससे जुड़े संरचनात्मक तथा सिविल कार्य प्रगति पर हैं। इसी वजह से वर्तमान यातायात व्यवस्था में सड़क उपयोगकर्ताओं को हो रही असुविधा को देखते हुए एनएचएआई ने टोल वसूली रोकने का फैसला किया है। टोल वसूली स्थगित रहने का मतलब टोल प्लाजा की व्यवस्थाएं बंद होना नहीं है। एनएचएआई के अनुसार यहां प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी, ईटीसी, एएनपीआर और डब्ल्यूआईएम सिस्टम तथा साइनेज सहित अन्य जरूरी परिसंपत्तियों का रखरखाव जारी रहेगा। वाहन चालकों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को ध्यान में रखते हुए टोल प्लाजा पर यातायात का सुचारु व निर्बाध संचालन भी सुनिश्चित किया जाएगा। एनएचएआई के मुताबिक आरओबी के एप्रोच का पुनर्निर्माण पूरा होने के बाद आवश्यक तकनीकी और सुरक्षा प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। सामान्य यातायात बहाल होने के बाद टोल वसूली दोबारा शुरू करने को लेकर नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल 27 सितंबर दोपहर 12 बजे से शहपुरा टोल प्लाजा की सभी लेन टोल मुक्त रहेंगी।

युवक से मोबाइल और बुजुर्ग महिला से सोने की चेन झपटी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर में झपटमारी की दो अलग-अलग वारदातों में बाइक सवार बदमाश मोबाइल फोन और सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना पुलिस के अनुसार सतना निवासी 21 वर्षीय विनीत गर्ग एमपीएल एग्रो मार्केट में निजी काम करता है। 26 सितंबर को वह मीटिंग के सिलसिले में सतना से जबलपुर आया था। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 से पैदल एम्पायर की ओर जाते समय रात करीब 11:30 बजे वह लवली होटल के पास पहुंचा। इसी दौरान पीछे से काले रंग की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर दो युवक आए। बाइक चालक ने झपट्टा मारकर विनीत के हाथ से वीवो कंपनी का मोबाइल छीन लिया और दोनों मौके से फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार दोनों युवकों की उम्र करीब 19-20 वर्ष थी। पुलिस ने धारा 304(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। दूसरी वारदात कोतवाली थाना क्षेत्र के चेरीताल स्थित पंजाब बैंक कॉलोनी में हुई। पुलिस के अनुसार 67 वर्षीय दीप्ति सुखात्मे 25 सितंबर की सुबह करीब 6 बजे घर से लगभग 50 मीटर दूर पारिजात के फूल बटोरने गई थीं। इसी दौरान सफेद गमछा बांधे करीब 30-32 वर्षीय बाइक सवार युवक उनके पास पहुंचा और मकान किराये पर लेने के संबंध में पूछताछ करने लगा। बातचीत के दौरान वह महिला के पास आया और गले में पहनी सोने की चेन, जिसमें छोटा लॉकेट लगा था, झपटकर बाइक से तेजी से फरार हो गया। महिला के अनुसार चेन और लॉकेट का कुल वजन करीब 10 से 15 ग्राम था। पुलिस ने धारा 304(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

खेत में फैले करंट के जाल में फंसे युवक की मौत जंगली सुअर मारने के लिए बिछाया था करंट

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम सगड़ा महगवां में खेत में लगाए गए करंट की चपेट में आने से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जांच में सामने आया कि खेत में फसल को जंगली सुअरों से बचाने के लिए जीआई के नंगे तार लगाकर उनमें करंट प्रवाहित किया जा रहा था। पुलिस ने खेत सिकमी पर लेने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को ग्राम सगड़ा महगवां स्थित खेत में एक व्यक्ति के मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। खेत में खेती करने वाले विवेक सिंह राजपूत ने पुलिस को बताया था कि वह सुबह करीब 11 बजे फसल देखने पहुंचा था। वहां उसे एक व्यक्ति पेट के बल पड़ा दिखाई दिया। काफी देर तक नहीं उठने पर पास जाकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। बाद में मृतक की पहचान गढ़ा निवासी 45 वर्षीय महेन्द्र धुर्वे के रूप में हुई। मर्ग जांच के दौरान मृतक के परिजनों, आसपास के किसानों और ग्राम कोटवार के बयान लिए गए। जांच में सामने आया कि श्रीराम जानकी मंदिर ट्रस्ट की जमीन विवेक सिंह राजपूत ने सिकमी पर ले रखी थी। खेत के एक हिस्से में मक्का की फसल लगी थी। बताया गया कि फसल को जंगली सुअरों से बचाने के लिए विवेक ने लकड़ी की खूंटियां गाड़कर जीआई के नंगे तार खेत की मेड़ से बांस के झाड़ तक लगाए थे। इन तारों को खेत में लगे बिजली के खंभे के नंगे तार से जोड़कर करंट प्रवाहित किया जाता था।

आरडीयू की परीक्षा व्यवस्था पर सवाल, डेढ़ साल में सामने आई कई शिकायतें

मई 2025 से सितंबर 2026 तक प्रश्नपत्र से टाइम टेबल तक उठे विवाद

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था एक बार फिर विद्यार्थियों की शिकायतों के कारण सवालों के घेरे में है। ताजा मामला एमए इंग्लिश चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा से जुड़ा है, जहां लगातार दूसरे प्रश्नपत्र में भी विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रम से संबंधित गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इससे प्रश्नपत्र तैयार करने, उसकी जांच, मॉडरेशन और परीक्षा से पहले अंतिम सत्यापन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभी मामले की जांच और परीक्षा नियंत्रक से रिपोर्ट लेने की बात कही है। ऐसे में ताजा शिकायत की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। लेकिन मई 2025 से सितंबर 2026 के बीच सामने आए विभिन्न मामलों को देखें तो प्रश्नपत्र, टाइम टेबल, परीक्षा कार्यक्रम और परीक्षा संचालन से जुड़ी शिकायतें अलग-अलग मौकों पर सामने आती रही हैं। शनिवार सुबह 11 बजे एमए इंग्लिश चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा शुरू हुई। प्रश्नपत्र मिलने के बाद विद्यार्थियों ने इंग्लिश लैंग्वेज के द्वितीय प्रश्नपत्र में तृतीय सेमेस्टर से संबंधित प्रश्न पूछे जाने का आरोप लगाया। विद्यार्थियों का कहना था कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले 24 सितंबर को हुए प्रथम प्रश्नपत्र को लेकर भी इसी तरह की आपत्ति सामने आई थी। उस समय विद्यार्थियों से लिखित आवेदन लिए गए और उन्हें परीक्षा दिए बिना वापस जाने दिया गया था। एमए इंग्लिश चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के लिए एनईएस कॉलेज को भी केंद्र बनाया गया था। प्रश्नपत्र को लेकर आपत्ति के बाद विद्यार्थियों ने परीक्षा देने से इनकार किया और विश्वविद्यालय के नाम लिखित आवेदन सौंपा।

गणपति विसर्जन के दौरान डांस को लेकर विवाद

पांच लोगों ने तलवार और बेसबॉल से किया हमला, जमकर उत्पात मचाया

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

गणपति विसर्जन के दौरान ढोल पर डांस करने को लेकर हुए विवाद के बाद लार्डगंज थाना क्षेत्र के गढ़ा फाटक में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के घर और मोहल्ले में पहुंचकर जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि पांच लोगों ने तलवार, चाकू, बेसबॉल के डंडे और ईंटों से हमला कर महिला समेत परिवार के कई सदस्यों और मोहल्ले के लोगों को घायल कर दिया। हमलावरों ने दो ई-रिक्शों में भी तोड़फोड़ की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविनगर गढ़ा फाटक निवासी मोनू अहिरवार ने 27 सितंबर की सुबह रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि 25 सितंबर को समिति के सदस्य गणपति विसर्जन के लिए हनुमानताल की ओर जा रहे थे। सराफा चौराहा कोतवाली के पास ढोल पर डांस करने की बात को लेकर कपिल सोनकर और राहुल सोनकर का यश अहिरवार व युवराज अहिरवार से विवाद हो गया था। मौके पर मौजूद लोगों ने मामला शांत करा दिया। मूर्ति विसर्जन के बाद रात करीब 8:30 बजे वापस लौटते समय राजा रसगुल्ला की गली में कपिल सोनकर और राहुल सोनकर ने फिर यश और युवराज अहिरवार के साथ मारपीट की। इसकी रिपोर्ट कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई थी। मोनू के मुताबिक 26 सितंबर की रात करीब 11:30 बजे उसका भाई ओम और बड़ा भाई दीपक छोटी मस्जिद के सामने वाली गली में खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान तरुण सोनकर वहां आया और दोनों को धमकी देते हुए चला गया। करीब 15-20 मिनट बाद कपिल सोनकर, राहुल सोनकर, तरुण सोनकर, यश सोनकर और शेरू सोनकर मोहल्ले में पहुंचे। आरोप है कि कपिल के हाथ में बेसबॉल का डंडा, राहुल के हाथ में तलवारनुमा हथियार और तरुण के हाथ में चाकू था। आरोपियों ने मोहल्ले में पड़ी ईंटें उठाकर ई-रिक्शों पर पथराव शुरू कर दिया और गाली-गलौज करते हुए लोगों को घरों से बाहर निकलने के लिए कहने लगे। शोर सुनकर मोनू की मां इमरती अहिरवार, भाई दीपक, विपिन और अमित सहित मोहल्ले के अन्य लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार राहुल ने तलवार से हमला कर इमरती बाई के सिर में चोट पहुंचाई। तरुण ने चाकू से विपिन के सिर पर वार किया, जबकि कपिल ने बेसबॉल के डंडे से अमित और दीपक के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे विवेक अहिरवार, अभिषेक अहिरवार, यश अहिरवार, युवराज अहिरवार और ललित जाटव पर भी ईंटें फेंकी गईं और डंडे से मारपीट की गई। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए।

न्यूज ब्रीफ

करंट से युवक की मौत के बाद चक्का जाम

ग्वालियर। *महाराजपुर थाना क्षेत्र के भदरौली गांव में मुर्गी फार्म पर काम करने के दौरान करंट लगने से 31 वर्षीय सौरभ जाटव की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने सौरभ का शव थाने के सामने रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजनों ने सौरभ के साथ गए तीन दोस्तों पर जानबूझकर उसे करंट लगाकर मारने का आरोप लगाया। पुलिस और परिजनों के बीच झड़प की स्थिति बनने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को हटाया। परिजनों ने दोषियों पर कार्रवाई और आर्थिक मदद की मांग की। पुलिस को दी शिकायत में परिजन ने बताया कि 26 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे गांव के रहने वाले पुष्पेंद्र लोधी, हिमेश लोधी और लल्ला उर्फ राजवीर कुशवाह सौरभ को अपने साथ भदरौली स्थित मुर्गी फार्म पर काम कराने के लिए ले गए थे। शिकायत के मुताबिक, तीनों युवक फार्म पर ट्रांसफार्मर के पास लाइट का काम करवा रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।*

सर्राफा कारोबारी का शव 5 दिन बाद सिंध नदी में मिला

ग्वालियर। *डबरा के सर्राफा कारोबारी मनोज सोनी का शव 5 दिन बाद सिंध नदी में बरामद हुआ। शव पत्थरों के बीच फंसा हुआ था, जिसे बहाव कम होने पर स्कूबा की टीम ने उसे खोज निकाला। मनोज ने नदी में कूदने से पहले एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था, जिसमें कुछ लोगों पर रुपए लेने, ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप लगाए गए हैं। बरा के सराफा व्यापारी मनोज (54) पुत्र भगवान दास सोनी 4 दिन पहले धूमेश्वर धाम के पास सिंध नदी में कूद गए थे। उन्होंने डबरा के व्यवसायियों के ग्रुप पर एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था। सुसाइड नोट में ग्राम खडवई निवासी श्रीमती प्रवेश बघेल, बृजेंद्र सिंह बघेल और मनीष बघेल के नाम हैं। नोट में उन पर ढाई लाख रुपए लेने और बाद में ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया गया है।सुसाइड नोट में लिखा है कि मनोज को इन लोगों से रुपए लेने थे। पैसे मांगने पर उनके खिलाफ थाने में शिकायत कर दी गई थी। इसके अलावा, नोट में डबरा के 3 सर्राफा कारोबारियों के नाम भी बताए गए हैं। मृतक के भाई सतीश सोनी ने सुसाइड नोट में नामजद लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने पुलिस पर मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप जांच शुरू कर दी है।*

विजया राहतकर करेंगी महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई

ग्वालियर। *राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया राहतकर 29 सितम्बर को ग्वालियर में महिलाओं की शिकायत की सुनवाई करेंगीं। इसके साथ ही फिजिकल कॉलेज (एलएनआईपीई) में 'यशोदा एआई' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लेंगीं। इसके पश्चात दोपहर 11.30 बजे जिला पंचायत के सभागार में आयोग में पंजीकृत शिकायतों पर जन-सुनवाई का आयोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष 29 सितम्बर को ही दोपहर 1.30 बजे से कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगीं। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करेंगीं।*

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज

ग्वालियर। *कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव की अध्यक्षता में कांग्रेस साधारण सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आगामी 28 सितंबर को भोपाल में आयोजित होने वाले विशाल पैदल मार्च तथा 30 सितंबर को ग्वालियर में आयोजित कलेक्ट्रेट घेराव कार्यक्रम की तैयारियों, सहभागिता और व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम की जिम्मेदारियां सौंपते हुए अधिक से अधिक कांग्रेसजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक के बाद भोपाल में आयोजित पैदल मार्च में शामिल होने के लिए कांग्रेसजन शाम से ही रेल, बस एवं सड़क मार्ग से भोपाल के लिए रवाना होने लगे। लोकतंत्र में निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन व्यवस्था जनता के विश्वास की बुनियाद है।*

ग्वालियर में दर्दनाक हादसा: फर्श पर गिरकर तोड़ा दम

रायरू डिस्टलरी में ड्यूटी के दौरान कर्मचारी की अचानक हो गई मौत

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

जिले के पुरानी छावनी थाना क्षेत्र स्थित रायरू डिस्टलरी में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। शनिवार शाम ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से एक 51 वर्षीय कर्मचारी की मौत हो गई। काम करते वक्त अचानक फर्श पर गिरे इस कर्मचारी को अस्पताल ले जाने का मौका तक नहीं मिला और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट (हृदयाघात) बताई जा रही है, हालांकि असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही साफ हो सकेगी। फोन पर मिली सूचना, डिस्टलरी पहुंचे तो फर्श पर मिला शव मृतक की पहचान तिघरा के कुलैथ गांव निवासी रामबाबू गौड़ (51) के रूप में हुई है। उनके बेटे चंद्रपाल गौड़ ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार शाम उनके पिता के सहकर्मी धर्मेन्द्र चौहान का फोन आया था। फोन पर उन्हें घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही जब परिजन आनन-फानन में रायरू डिस्टलरी पहुंचे, तो उनके पिता का शव फर्श पर पड़ा हुआ था। साथी कर्मचारियों ने उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उनकी सांसें थम चुकी थीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच घटना की सूचना मिलते ही पुरानी छावनी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है। इस संबंध में पुरानी छावनी थाना प्रभारी डॉ. संतोष यादव ने जानकारी दी कि पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। डिस्टलरी प्रबंधन और सहकर्मियों से पूछताछ की जा रही है। मौत के असल कारणों का सटीक खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। इस अचानक हुई घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।अचानक हुई इस घटना से डिस्टलरी परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही साथी कर्मचारी और प्रबंधन के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और कर्मचारी को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने दाल बाजार व्यापार समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का किया सम्मान

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के ललितपुर कॉलोनी स्थित कार्यालय पर आज ग्वालियर दाल बाजार व्यापार समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष दिलीप पंजवानी, सचिव श्याम बंसल, उपाध्यक्ष ऋषि अग्रवाल, संयुक्त मंत्री मनीष गोयल, कोषाध्यक्ष अनुराग गर्ग, लेखा निरीक्षक आयुष बंसल के लिए स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने समिति के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला, पुष्पगुच्छ एवं शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर व्यापारियों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि दाल बाजार ग्वालियर का प्रमुख व्यापारिक केंद्र और शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। व्यापारी वर्ग शहर की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पदाधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनकी हर समस्या के समाधान के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। सम्मान के उपरांत सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विधायक डॉ. सिकरवार का आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

करोना में अस्थि विसर्जन की आत्मा की शांति हो, हिन्दू महासभा ने किया पितृ शान्ति यज्ञ

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

अखिल भारत हिंदू महासभा जिला ग्वालियर के तत्पावधान में कोरोना कल में 108 अस्थि कलशो को गंगा जी में विसर्जन कर कर हिंदू महासभा भवन दौलतगंज में पंडित गिरिराज गुरुजी ने गरूड़ पुराण के साथ शांति हवन किया था। आज उसी स्थान पर हिंदू महासभा भवन दौलतगंज में हिंदू महासभा की ओर से करोना में 108 की आत्मा की शांति एवं सवा सौ हिंदू महासभाइयों की आत्मा की शांति के लिए पंडित गिरिराज गुरु जी एवं पंडित ब्रह्म दत्त पाण्डेय शास्त्री के मुख्य आचार्यत्व में अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के डॉक्टर जयवीर भारद्वाज एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू सेन के मुख्य अतिथि में पितृ शांति यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें यजमान श्रीमती शोभा चंद्रशेखर दंडवते, श्रीमती अनीता योगेंद्र दीक्षित, रोहित जाटव, देवेंद्र कुमार पाठक अजय शुक्ला पवन गुप्ता, प्रवीण अष्ठाना ने 108आहुतियां दी मुख्य

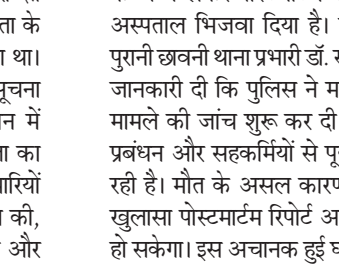

आचार्य पंडित गिरिराज गुरुजी ने पितृपक्ष का महत्व बताते हुए कहा कि माता के पेट से जब बालक का जन्म होता है तो उस पर तीन प्रकार के ऋण प्रारंभ हो जाते हैं पहला देव ऋण,दुसरा पितृ ऋण, तीसरा अतिथि ऋण होता है। देवताओं का हर अच्छी सदृष्टि का कर्तव्य है कि महीने में एक दिन अपने घर पर थोड़ा बहुत हवन जरूर करने की आदत डालें दूसरा ऋण होता है पितरों का अपने पूर्वजों का उसको चुकाने का तरीका शास्त्र में बताया कब बयान कब भी कहते हैं श्राद्ध करने को तो विधिवत उनकी तिथि पर अपने पितरों का पूर्वजों का जिससे हमें शरीर प्राप्त हुआ है उनकी शांति के लिए श्राद्ध करने का विधान है और तीसरा ऋण अतिथियों का अतिथि दिन जो हमारे दरवाजे में बहन भांजे यार आते हैं समय-समय पर उनका भोजन चाय पानी से करें। हर गृहस्ती को यह तीनों ऋणों के बिना उसकी मुक्ति नहीं होती है यह तीनों ऋण चुकाना बहुत जरूरी होते हैं जब भगवान शंकर पार्वती जी का विवाह संपन्न हो रहा था तब पार्वती जी ने भगवान शंकर से पहले वचन यही मांगा था।

न्यायिक शिक्षा के क्षितिज का विस्तार विषय पर दो सत्रों का आयोजन हुआ

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

न्यायिक शिक्षा के क्षितिज का विस्तार विषय पर 26 व 27 सितम्बर को ग्वालियर के राजामाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन 27 सितम्बर को दो सत्रों का आयोजन किया गया। इन सत्रों में विषय विशेषज्ञों द्वारा कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन 'न्यायिक शिक्षा का डिजिटल रूपांतरण : अवसर, चुनौतियां' और 'आगे का रास्ता' विषय पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के जस्टिस सूरज गोविंद राज एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के जस्टिस संजीव सुधाकर कालगांवकर तथा 'संवेदनशील और समावेशी न्याय के लिये न्यायिक सक्षमताओं का निर्माण' विषय पर गुजरात उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सोनिया गोकानी एवं उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुभाशीष तालपत्रा ने विस्तार से जानकारी

दी। अंत में कॉन्फ्रेंस के समस्त विषयों पर संक्षिप्त विवरण एवं ज्ञानार्जन प्रदान करते हुए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति जी. एस. अहलूवालिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के समापन अवसर पर बीएसएफ टेकनपुर के राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा डॉग शो का प्रदर्शन भी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

'मेरे सपनों का भारत' को रंगों से साकार कर भितरवार की दीपिका जाटव ने जीता पुरस्कार

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

प्रतिभा संसाधन की मोहताज नहीं होती, यह बात एक बार फिर सच साबित कर दिखाई है भितरवार की होनहार छात्रा दीपिका जाटव ने। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिक्षानगर, ग्वालियर में आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट कन्या छात्रावास, भितरवार में निवासरत कक्षा 10वीं की छात्रा कु. दीपिका जाटव ने सेवा-संकल्प अभियान के तहत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अपनी अद्भुत कल्पना को कैनवास पर उतारते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। दीपिका द्वारा बनाई गई पेंटिंग में विकसित, स्वच्छ, आत्मनिर्भर और एकता के सूत्र में बंधे भारत की परिकल्पना को निर्णायकों ने खूब सराहा। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। दीपिका की इस उपलब्धि पर छात्रावास अधीक्षक श्रीमती रश्मि तोमर ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि - छात्रावास में छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उनकी रचनात्मक और प्रतिभात्मक क्षमताओं को निखारने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। दीपिका की यह सफलता अन्य सभी छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। छात्रा की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर छात्रावास के समस्त स्टाफ और छात्राओं ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंत्री कुशवाह ने ढोलीबुआ पुल के पास बस्ती में किया सड़क का निरीक्षण नागरिकों से की चर्चा

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के ढोलीबुआ पुल के पास बस्ती में निरीक्षण कर बरसात के कारण खराब हुई सड़क का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेन्द्र बाबू यादव, कार्यपालन यंत्री नगर निगम वेदप्रकाश निरंजन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने निरीक्षण के दौरान नागरिकों से विस्तार से चर्चा की और उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सड़कों के संधारण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। इसके साथ ही साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। सड़क खराब होने के संबंध में भी उन्होंने विभागीय अधिकारियों को गुणवत्ता की जांच करने के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए हैं।

शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पात्र लोगों को मिले, यह हम सबका प्रयास

'आंगन मिलन सेवा' से बच्चों के चेहरे खिले, पोषण और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

'सेवा-संकल्प अभियान' के तहत 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन रविवार को आंगनबाड़ी केन्द्र रेशममिल वार्ड-16 पर किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी के बच्चों को पोषण आहार की उपयोगिता के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही वृक्षारोपण किया गया और आंगनबाड़ी केन्द्रों में केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार के माध्यम से संचालित होने वाली विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी गई। सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत 'आंगन मिलन सेवा' के तहत आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, श्रीमती करुणा सक्सेना, श्रीमती अरुण परमार, श्रीमती गिरजा गर्ग, श्रीमती चेतन तोमर, श्री गौरव वाजपेयी, हैप्पी फाउण्डेशन के श्री हेमंत निगम के साथ संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती सीमा शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय, सहायक संचालक महिला-बाल विकास श्री राहुल पाठक,

परियोजना अधिकारी श्री मनोज कुमार गुप्ता, परियोजना अधिकारी श्री राघवेन्द्र सिंह सहित आंगनबाड़ी के बच्चे और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित होना चाहिए। बच्चों के बीच उपस्थित होकर आनंद व प्रसन्नता का अनुभव होता है। शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पात्र लोगों को मिले, यह हम सबका प्रयास होना चाहिए। जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि सेवा-संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आमजनों को शासन की योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें लाभान्वित करने का कार्य भी किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने आंगनबाड़ी केन्द्र में संचालित होने वाली विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

संपादकीय

चुनाव आयोग का पश्चाताप

चुनाव आयोग के अंतर्विरोध और आपत्तियों की खबर छपने के 48 घंटे में ही एहसास हो गया कि आयोग में कुछ गलत हो रहा है, जिसका निराकरण देशहित और लोकतंत्र-हित में होगा, लिहाजा मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों की बैठक हुई। तीनों की साझा उपस्थिति का चित्र भी जारी किया गया। बैठक की पहल किसने की और साझा संवाद की स्थिति कैसे बनी, यह जानना उतना महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि बैठक के जरिए जो पश्चाताप किया गया और देश के मतदाताओं के पक्ष और हित में जो निर्णय लिए गए, वे बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। देश को चुनाव आयोग की बैठक और पश्चाताप का स्वागत करना चाहिए। चुनाव आयोग की छवि निष्पक्ष, स्वतंत्र, निर्भीक संवैधानिक संस्था की है, लिहाजा उस पर दाग नहीं आना चाहिए।

अंतिम लक्ष्य लोकतंत्र और संविधान होना चाहिए, बेशक आपसी मतभेद और वैचारिक टकराव कितने भी हों! चुनाव आयोग की संपूर्ण बैठक में तय किया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में जिन मतदाताओं के नाम कट गए हैं अथवा किसी भी तरह की गलती, लापरवाही, अनदेखी, पूर्वाग्रह के कारण जिनके नाम मतदाता-सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं, वे अब अपडेशन प्रक्रिया में आवेदन कर सकते हैं। जो पहली बार मतदाता बनने का दावा पेश करना चाहते हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। खुद ईआरओ (इलेक्ट्रोल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) या बीएलओ आपके घर पर आकर दस्तावेज लेंगे। जिन मतदाताओं को नोटिस मिले हैं, वे भी ईआरओ और सहायक ईआरओ के कार्यालयों में न जाएं। खुद बीएलओ उनके घर आकर संबंधित दस्तावेज लेंगे और उन्हें ईसीआईनेट पर अपलोड करेंगे। उसके बाद किसी को भी अंतिम तौर पर मतदाता बनाने का काम पूरा हो सकेगा। नेट सॉफ्टवेयर पर जो गंभीर आरोप सामने आए थे कि मतदाता-सूची का केंद्रीकरणकिया जा रहा है, उसकी जांच वरिष्ठ चुनाव उपायुक्त और एक स्वतंत्र विशेषज्ञ करेंगे।

अपडेशन पर हमारा सवाल है कि पश्चिम बंगाल में जिन 27 लाख से अधिक मतदाताओं को मौलिक अधिकार से वंचित कर दिया गया था, क्या चुनाव आयोग उन पर भी पुनर्विचार करेगा? ट्रिब्यूनल जिस गति से न्यायिक समीक्षा कर रहे हैं, उसमें सांगोपांग न्यायमें 12-14 साल का समय लग सकता है। क्या तब तक तार्किक विसंगतिवाले लोगों के मताधिकारछिने रहेंगे? ट्रिब्यूनल के फैसलों में अभी तक करीब 93 फीसदी मतदाताओं के नाम सहीपाए गए हैं। यह चुनाव आयोग के एसआईआर पर करारा तमाचा है। राजधानी दिल्ली में भी करीब 31-31 लाख मतदाताओं को नोटिस दिए गए हैं, क्या वे सभी 30 अक्तूबर (बढ़ाई समय-सीमा) तक अपने दावे और अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे? क्या बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और ईआरओ आदि नए सिरे से घर-घर जाकर कागजात इक्ट्ठा करने और उन्हें अपलोड करने में सफल होंगे? यदि तय अवधि में यह काम नहीं हो पाता है, तो छूटे हुए मतदाताओं का क्या होगा?

देश की बुनियादी चिंता मताधिकार की है, जो संवैधानिक अधिकार है। यदि वही छिन जाएगा या नजरअंदाज किया जाता रहेगा, तो फिर लोकतंत्र के मायने क्या हैं? अब चुनाव आयोग ने फैसला लिया है कि मजदूरों और बेघरों के मताधिकार के लिए हेल्प डेस्कऔर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। यह एहसास भी आयोग को हुआ है, अलबत्ता माता-पिता ही नहीं, दादा-दादी का ब्यौरा भी मांगा जा रहा है कि वे पहले वाली मतदाता-सूची में थे अथवा नहीं। जो 18 वर्षीय नवयुवा पहली बार मतदाता बनने जा रहा है, उसे क्या पता होगा कि मतदाता-सूची में किन परिजनों के नाम शामिल थे? यह संदर्भ 2002 का पूछा जा रहा है। कइयों का जन्म बाद में हुआ है और ऐसे प्रशासनिक सवालों से वे अनभिज्ञ रहे हैं, लिहाजा फॉर्म 6 के साथ जोड़ा गया घोषणा-पत्रभी अनावश्यक और अवैध है। उसे सर्वोच्च अदालत ने कब स्वीकृति दी है, आयोग उसे भी स्पष्ट करे। बहरहाल चुनाव आयोग की संपूर्ण बैठक हुई है, यही सुखद खबर है। विपक्ष बेहद आक्रामक है, लामबंद हो रहा है, उससे सरकार और आयोग को कोई फर्क नहीं पड़ता।

ट्रंप से भारत के लिए बढ़ती टैरिफ चुनौतियां

डा. जयंतीलाल भंडारी

> यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि हाल ही के महीनों में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए-नए आर्थिक और व्यापारिक संरक्षणवादी कदमों से भारत के लिए आर्थिक-व्यापारिक चिंताएं बढ़ गई हैं। यह स्थिति मुख्य रूप से अमरीका के व्यापार, कृषि, बौद्धिक संपदा और श्रम बाजार से जुड़े नीतिगत बदलावों के कारण उत्पन्न हुई है

हाल ही में 18 सितंबर को अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले भारत-चीन समेत पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने वाले बिल लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया है। यह कानून हस्ताक्षर किए जाने के 30 दिनों के भीतर प्रभावी होगा। यह कानून स्वचालित रूप से तुरंत टैरिफ लागू नहीं करता है। किस देश पर कितना टैरिफ लगाना है या राष्ट्रीय हित में किसे छूट देनी है, इसका अंतिम निर्णय अमरीकी राष्ट्रपति के पास ही रहेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने इस विशेष अधिकार का उपयोग करते हुए 24 सितंबर को अमरीका की यात्रा कर गए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को नायाब तोहफा देते हुए कहा कि 10 जनवरी 2027 तक चीन पर 100 प्रतिशत या अन्य कोई नया टैरिफ लागू नहीं होगा। लेकिन भारत पर टैरिफ लागू होने की चुनौती बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि अमरीका के इस नए टैरिफ कानून का प्राथमिक उद्देश्य रूस और ईरान के ऊर्जा स्रोतों से होने वाली राजस्व आय पर रोक लगाना है। इस कानून से भारत सहित दुनिया के कई देश प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। रूस और ईरान से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीदने वाले देशों में भारत और चीन सबसे प्रमुख हैं।

निसंदेह भारत के लिए यह स्थिति आर्थिक और रणनीतिक दोनों दृष्टिकोणों से बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकती है। एक तरफ जहां रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, वहीं दूसरी ओर अमरीका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। यदि अमरीका भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू करता है, तो इससे भारतीय निर्यात को भारी झटका लग सकता है। ऐसे में अमरीकी संसद द्वारा रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून पारित किए जाने और 100 प्रतिशत तक टैरिफ के प्रावधान पर भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि 140 करोड़ से अधिक देशवासियों की ऊर्जा सुरक्षा और हित सर्वोपरि हैं, जिनसे कोई समझौता नहीं होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और ऐसे में भारत किसी भी बाहरी दबाव में आए बिना, बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अपने आर्थिक और व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक निर्णय लेगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि हाल ही के महीनों में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए-नए आर्थिक और व्यापारिक संरक्षणवादी कदमों से भारत के लिए आर्थिक-व्यापारिक चिंताएं बढ़ गई हैं। यह स्थिति मुख्य रूप से अमरीका के व्यापार, कृषि, बौद्धिक संपदा और श्रम बाजार से जुड़े नीतिगत बदलावों के कारण उत्पन्न हुई है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक आदेश के माध्यम से ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा पर लगाए गए 1 लाख डॉलर के अतिरिक्त शुल्क को एक साल के लिए बढ़ा दिया है और वीजा नियमों की जांच को पहले से अधिक सख्त कर दिया है। इस फैसले के तहत अमरीका के विदेश, श्रम और गृह सुरक्षा मंत्रालय को निर्देश दिए गए हैं कि वे वीजा आवेदनों को मंजूरी देने से पहले यह सुनिश्चित करें कि नियोक्ता ने हाल में अमरीकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला न हो या भविष्य में छंटनी की योजना न बनाई हो। हालांकि, इस भारी भरकम शुल्क से उन विदेशी नागरिकों को राहत दी गई है जो पहले से अमरीका में छात्र वीजा एफ-1 पर रह रहे हैं या अपने मौजूदा वीजा का नवीनीकरण करा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, श्रम मंत्री को 30 दिनों के भीतर श्रम स्थिति आवेदनों की समीक्षा करने के आदेश दिए गए हैं। इस फैसले का सबसे गहरा असर भारतीय पेशेवरों और आईटी कंपनियों पर पड़ेगा, क्योंकि कुल मंजूर एच-1बी वीजा में भारतीय मूल के लोगों की हिस्सेदारी करीब 71 प्रतिशत है। 2025 में इस शुल्क के लागू होने के बाद से ही बड़ी आईटी आउटसोर्सिंग कंपनियों के पंजीकरण में करीब 92 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की जा चुकी है। यह नीति न केवल तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र बल्कि ग्रामीण अमरीका में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले भारतीय डाक्टरों को भी प्रभावित करेगी।

इसी तरह गत 11 सितंबर को ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य गैर-आप्रवासी वीजा धारकों की नौकरी छूटने के बाद मिलने वाली 60 दिन की मोहलत को खत्म करने का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में लागू नियम के अनुसार, नौकरी जाने पर विदेशी कर्मचारियों को अमरीका में रहकर दूसरी नौकरी खोजने, वीजा स्थिति बदलने या देश छोड? के लिए 60 दिन का समय मिलता है। यदि नया प्रस्ताव लागू होता है, तो नौकरी समाप्त होते ही कर्मचारी का वैध गैर-आप्रवासी दर्जा भी तुरंत खत्म हो जाएगा। ऐसी स्थिति में नई नौकरी मिलने पर भी कर्मचारी को अमरीका से बाहर जाकर दूतावास के जरिए पुनः आवेदन करना पड़ सकता है। इस कदम का सबसे बड़ा असर अमरीका में काम कर रहे भारतीय आईटी पेशेवरों पर पड़ेगा, जो बड़ी संख्या में एच-1बी वीजा पर निर्भर हैं। यह प्रस्ताव केवल एच-1बी तक सीमित नहीं है, बल्कि एल-1, ओ-1 और टीएन जैसी अन्य वीजा श्रेणियों पर भी लागू होगा। अमरीकी गृह सुरक्षा विभाग का तर्क है कि इससे कर्मचारी के रहने की वैधता और उसकी नौकरी के बीच सीधा संबंध बनेगा तथा प्रशासनिक बोझ कम होगा। फिलहाल यह केवल एक प्रस्ताव है, अंतिम नियम नहीं। इस पर दो महीने तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया ली जाएगी, जिसके बाद ही कोई अंतिम फैसला होगा। तब तक पुरानी 60 दिन की व्यवस्था लागू रहेगी। इसी प्रकार व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ ट्रेड एंड मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी की द ग्रेट ट्रांसशिपमेंट स्कैम रिपोर्ट में भारत समेत 40 से अधिक देशों पर चीन द्वारा अमरीकी टैरिफ से बचने के लिए अवैध री-रूटिंग नेटवर्क का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है।

भारत सरकार ने अमरीका की इस रिपोर्ट के तहत लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भारत में सख्त कस्टम्स रूल्स और मजबूत कानून लागू हैं। इसके अतिरिक्त अमरीकी प्रशासन द्वारा आयातित जेनेरिक औषधियों पर चरणबद्ध तरीके से 1 अगस्त 2026 से नई शुल्क नीति लागू कर दी गई है। इसके तहत 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2028 तक (शुरूआती दो वर्षों के लिए) आयातित दवाओं को शुल्क से मुक्त रखा गया है, ताकि अमरीकी बाजार में दवा आपूर्ति बाधित न हो।

न्यूक्लियर एनर्जी भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार

सुशील कुमार जैन

एक जिज्ञासु मन के साथ विज्ञान मेले में जाना हुआ। वहां न्यूक्लियर एनर्जी से संबंधित एक प्रदर्शनी ने अनायास ही मेरा ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मन में कई प्रश्न उठे–परमाणु ऊर्जा आखिर होती क्या है? इससे बिजली कैसे बनती है? क्या यह सुरक्षित है? इसका पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है? और सबसे बड़ा सवाल–जब दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है, तब भारत के लिए परमाणु ऊर्जा कितनी महत्वपूर्ण हो सकती है?

विज्ञान मेले में इस विषय को समझने का अवसर मिला तो लगा कि यह केवल वैज्ञानिकों या इंजीनियरों का विषय नहीं है। जिस ऊर्जा से हमारे घर, उद्योग, अस्पताल, खेत और शहर चलते हैं, उसके भविष्य को समझना हर नागरिक के लिए जरूरी है। उसी जिज्ञासा को सरल शब्दों में आपके सामने रख रहा हूं।

आखिर परमाणु ऊर्जा है क्या?

सबसे पहले यही समझना जरूरी है कि परमाणु ऊर्जा कोई रहस्यमयी चीज नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो परमाणु के नाभिक में बहुत बड़ी मात्रा में ऊर्जा मौजूद होती है। परमाणु बिजलीघर में नियंत्रित प्रक्रिया के माध्यम से इस ऊर्जा का उपयोग ऊष्मा पैदा करने के लिए किया जाता है। यह ऊष्मा पानी को भाप में बदलती है। भाप टर्बाइन को घुमाती है और टर्बाइन जनरेटर के माध्यम से बिजली पैदा करता है। यानी जिस बिजली का उपयोग हम अपने घर में करते हैं, उसके पीछे की अंतिम प्रक्रिया काफी हद तक तापीय बिजली जैसी ही है। अंतर मुख्य रूप से इस बात का है कि पानी को गर्म करने के लिए ऊष्मा कहां से प्राप्त होती है।

फिर परमाणु ऊर्जा की जरूरत क्यों?

यह प्रश्न भी स्वाभाविक है। जब हमारे पास सूर्य और हवा से बिजली बनाने के विकल्प हैं तो परमाणु ऊर्जा क्यों?

उत्तर है—निरंतर बिजली की आवश्यकता।

सौर ऊर्जा दिन में सूर्य के प्रकाश पर निर्भर करती है और पवन ऊर्जा हवा की उपलब्धता पर। लेकिन बिजली की जरूरत रात-दिन बनी रहती है। अस्पताल, उद्योग, रेलवे, संचार व्यवस्था, डेटा केंद्र और अनेक आवश्यक सेवाएं लगातार बिजली चाहती हैं। परमाणु बिजलीघर लंबे समय तक लगातार बिजली उत्पादन करने में सक्षम होते हैं। इसलिए इन्हें भरोसेमंद आधारभूत बिजली के स्रोतों में शामिल किया जाता है। भारत जैसे विशाल और तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए ऊर्जा के अलग-अलग स्रोतों का संतुलित मिश्रण महत्वपूर्ण है। परमाणु ऊर्जा इसी मिश्रण का एक हिस्सा है।

क्या परमाणु ऊर्जा सुरक्षित है?

विज्ञान मेले में मेरे मन में सबसे बड़ा सवाल शायद यही था। परमाणु शब्द सुनते ही सुरक्षा और रेडियोधर्मिता का प्रश्न सामने आता है। परमाणु बिजलीघर में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है।

एनपीसीआईएल के अनुसार उसका मूल सिद्धांत सेफ्टी फर्स्ट एंड प्रोडक्शन नेक्स्ट यानी सुरक्षा पहले और उत्पादन बाद में है। रिएक्टरों में सुरक्षा की कई परतें होती हैं। निगरानी प्रणालियां, गुणवत्ता जांच, निर्धारित संचालन प्रक्रियाएं, नियमित निरीक्षण तथा प्रशिक्षित और लाइसेंस प्राप्त कर्मचारी इस व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत में परमाणु प्रतिष्ठानों की नियामकीय निगरानी में एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड यानी एईआरबी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका अर्थ यह है कि परमाणु बिजलीघर केवल बिजली पैदा करने वाले संयंत्र नहीं हैं, बल्कि उनके संचालन में सुरक्षा के अनेक स्तर जुड़े होते हैं।

पर्यावरण की निगरानी कैसे होती है?

यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आखिर परमाणु संयंत्र के आसपास रहने वाले लोगों और पर्यावरण की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होती है? एनपीसीआईएल के अनुसार प्रत्येक परमाणु बिजलीघर के स्थल पर पर्यावरण सर्वे प्रयोगशाला स्थापित की जाती है। यहां हवा, पानी, मिट्टी, फसल, वनस्पति, मछली, मांस और खाद्य पदार्थों में रेडियोधर्मिता की निगरानी की जाती है। यह निगरानी संयंत्र के आसपास 30 किलोमीटर तक के क्षेत्र में की जाती है।

अर्थात पर्यावरणीय सुरक्षा केवल संयंत्र की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। आसपास के पर्यावरण को भी नियमित निगरानी व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाता है।

फिर परमाणु कचरे का क्या होता है?

यह प्रश्न शायद हर उस व्यक्ति के मन में आएगा जो पहली बार परमाणु ऊर्जा को समझ रहा है। भारत इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन को केवल कचरा मानने के बजाय बंद ईंधन चक्र की नीति अपनाता है। उपयोग किए गए ईंधन से पुनसंर्साधन के माध्यम से यूरेनियम, प्लूटोनियम और अन्य उपयोगी पदार्थ प्राप्त किए जा सकते हैं।

जो उच्च स्तर का रेडियोधर्मी अपशिष्ट बचता है, उसे विशेष प्रक्रिया से स्थिर किया जाता है। उसे कांच जैसे ठोस रूप में बदला जाता है और विशेष कंटेनरों तथा सुरक्षित भंडारण सुविधाओं में निगरानी के साथ रखा जाता है। कम और मध्यम स्तर के अपशिष्ट के लिए भी उपचार, स्थिरीकरण और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्थाएं होती हैं। इसलिए परमाणु अपशिष्ट का प्रबंधन भी परमाणु ऊर्जा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और नियंत्रित हिस्सा है।

क्या परमाणु ऊर्जा पर्यावरण के लिए बेहतर हो सकती है?

आज दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की चुनौती है। इसी संदर्भ में परमाणु ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। परमाणु बिजलीघर बिजली उत्पादन के दौरान कोयला और गैस आधारित बिजलीघरों की तरह बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं करते। जीवन-चक्र के स्तर पर भी परमाणु ऊर्जा को कम कार्बन उत्सर्जन वाले ऊर्जा स्रोतों में गिना जाता है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि परमाणु ऊर्जा के सामने कोई चुनौती नहीं है। रेडियोधर्मी अपशिष्ट, जल उपयोग, सुरक्षा, ईंधन प्रबंधन और संयंत्र के दीर्घकालीन प्रबंधन जैसे विषयों पर निरंतर वैज्ञानिक निगरानी आवश्यक है।

भारत ने तीन चरणों की योजना क्यों बनाई?

यहां भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा और भी रोचक हो जाती है। भारत ने अपनी परमाणु ऊर्जा योजना को तीन चरणों में विकसित किया है। पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम से चलने वाले प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर यानी पीएचडब्ल्यूआर पर जोर है। दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के माध्यम से परमाणु ईंधन का अधिक प्रभावी उपयोग करने की योजना है। तीसरे चरण में भारत के थोरियम संसाधनों का उपयोग करके दीर्घकालीन ऊर्जा उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ने की परिकल्पना है। यानी भारत की परमाणु योजना केवल आज की बिजली की जरूरत पूरी करने तक सीमित नहीं है। इसमें आने वाली पीढ़ियों की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखने की कोशिश भी दिखाई देती है।

थोरियम की चर्चा क्यों होती है?

भारत के परमाणु कार्यक्रम में थोरियम का विशेष महत्व है। भारत के पास थोरियम के महत्वपूर्ण संसाधन हैं। इसलिए वैज्ञानिक लंबे समय से ऐसी तकनीक विकसित करने पर काम कर रहे हैं जिससे भविष्य में थोरियम का उपयोग बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन के लिए किया जा सके। कलपक्कम का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर इसी दीर्घकालीन कार्यक्रम की महत्वपूर्ण कड़ी है। यदि भारत इस दिशा में सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है तो देश के लिए दीर्घकालीन ऊर्जा संसाधनों का आधार और विस्तृत हो सकता है।

आने वाले समय में क्या होगा?

एनपीसीआईएल के अनुसार वर्तमान में उसकी कई परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। कंपनी ने अपनी स्थापित परमाणु बिजली क्षमता को आने वाले वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने की योजना बनाई है। साथ ही भारत स्वदेशी रिएक्टर तकनीक, उन्नत रिएक्टर प्रणालियों और नई पीढ़ी की परमाणु तकनीकों पर भी काम कर रहा है। इसका उद्देश्य केवल अधिक बिजली पैदा करना नहीं, बल्कि सुरक्षित, विश्वसनीय और दीर्घकालीन ऊर्जा व्यवस्था विकसित करना है।

आम नागरिक के लिए सबसे सरल समझ

अब यदि विज्ञान मेले में उठे उन शुरूआती सवालों पर वापस लौटें तो तस्वीर कुछ स्पष्ट होती है। परमाणु ऊर्जा से बड़ी मात्रा में निरंतर बिजली पैदा की जा सकती है। इसमें ईंधन की बहुत कम मात्रा से बड़ी मात्रा में ऊर्जा प्राप्त होती है। बिजली उत्पादन के दौरान कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम होता है। सुरक्षा के लिए कई स्तरों की व्यवस्था होती है और पर्यावरण की नियमित निगरानी की जाती है। लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। परमाणु ऊर्जा में सुरक्षा, रेडियोधर्मी अपशिष्ट और दीर्घकालीन प्रबंधन जैसे विषयों को कभी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विज्ञान मेले में एक प्रदर्शनी देखकर शुरू हुई मेरी जिज्ञासा ने एक बड़ा प्रश्न सामने ला दिया–भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को हम कैसे पूरा करेंगे?

पोषण प्रदर्शनी, स्वास्थ्य जागरूकता एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकताओं का हुआ सम्मान

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में 12 गर्भवती महिलाओं की हुई गोद भराई

एक सत बुलेटिन, भोपाल

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की परियोजना बाणगंगा अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत हिंदी भवन में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम विधायक श्री भगवानदास सबनानी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय सहित जनप्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाएं, आशा कार्यकर्ता एवं आमजन सहित लगभग 480 लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सहजन का पौधा रोपित कर तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं द्वारा तैयार किए गए 101 प्रकार के पोषण व्यंजनों की प्रदर्शनी के अवलोकन के साथ हुआ। प्रदर्शनी में घर में उपलब्ध सामग्री से पौष्टिक एवं संतुलित भोजन तैयार करने के तरीकों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी का संदेश भी उपस्थित हितग्राहियों को सुनाया गया। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत 12 गर्भवती महिलाओं की अतिथियों द्वारा गोद भराई की गई। गर्भवती माताओं का गुलाब की पंखुड़ियों एवं ढोल की थाप के साथ स्वागत किया गया। उन्हें नारियल, फ्रूट बास्केट एवं चुनरी भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही तीन माह के बालक अद्वित के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों द्वारा कपड़े, खिलौने, टेडी बियर, झूला, कड़ा सहित विभिन्न सामग्री भेंट की गई। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे ने उपस्थित हितग्राहियों को पोषण एवं स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, एनीमिया की रोकथाम, संतुलित खान-पान, आवश्यक सावधानियों तथा प्रसव के बाद नवजात एवं बच्चों की देखभाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, भोपाल श्री सुनील सोलंकी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिले की परियोजनाओं में चरणबद्ध तरीके से तीन-तीन दिवस तक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिससे निर्धारित अवधि में पूरे जिले में कार्यक्रमों का निरंतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम में विधायक श्री भगवानदास सबनानी एवं अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली 35 आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं तथा 5 आशा कार्यकताओं को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं, लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत 5 बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना के आश्वासन प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

विधायक श्री सबनानी ने अपने उद्बोधन में आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकताओं एवं हितग्राहियों से ह्लअपनी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारीह्व के संकल्प के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने अधिक से अधिक हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी से संबंधित किसी भी समस्या से उन्हें अवगत कराया जाए, ताकि उसके निराकरण के लिए आवश्यक प्रयास किए जा सकें। कार्यक्रम के अंत में पोषण माह अभियान के अंतर्गत उपस्थित प्रतिभागियों को पोषण शपथ दिलाई गई।

रानी कमलापति–गया के बीच पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन तीन ट्रिप

एक सत बुलेटिन, भोपाल

पितृपक्ष के अवसर पर गया में श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 01661/01662 रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन को 03-03 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। पहली ट्रिप 27 सितम्बर को रानी कमलापति से गया के लिए दोपहर 03:20 बजे पर रानी कमलापति से रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन कि विस्तृत समय सारिणी इस प्रकार है:-

रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन समय-सारिणी गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापतिझगया एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन दिनांक 27 सितम्बर, 02 एवं 07 अक्टूबर 2026 को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 15:20 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन नर्मदापुरम (16:34/16:36), इटारसी (17:05/17:25), पिपरिया (18:13/18:15), नरसिंहपुर (19:38/19:40), जबलपुर (21:15/21:25), सिहोरा रोड (21:50/21:52), कटनी (00:10/00:15), मैहर (01:40/01:42), सतना (02:00/02:05), मानिकपुर (04:10/04:12), प्रयागराज छिवकी (06:00/06:05), मिजार्पुर (08:18/08:20), पंडित दीन दयाल उपाध्याय (10:10/10:20), भभुआ रोड (10:58/11:00), सासाराम (11:30/11:32), डेहरी-ऑन-सोन (11:50/11:52) एवं अनुग्रह नारायण रोड (12:10/12:12) होते हुए दोपहर 14:30 बजे गया पहुँचेगी।

इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 01662 गयाझरानी कमलापति एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन दिनांक 30 सितम्बर, 05 एवं 10 अक्टूबर 2026 को गया स्टेशन से दोपहर 15:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अनुग्रह नारायण रोड (16:15/16:17), डेहरी-ऑन-सोन (16:32/16:34), सासाराम (16:50/16:52), भभुआ रोड (17:23/17:25), पंडित दीन दयाल उपाध्याय (18:55/19:05), मिजार्पुर (20:43/20:45), प्रयागराज छिवकी (22:15/22:20), मानिकपुर (01:30/01:32), सतना (03:25/03:30), मैहर (03:50/03:52), कटनी (05:25/05:30) एवं सिहोरा रोड (07:20/07:22), जबलपुर (08:10/08:20), नरसिंहपुर (10:08/10:10), पिपरिया (11:55/11:57), इटारसी (14:05/14:25), नर्मदापुरम (14:43/14:45) होते हुए शाम 16:15 बजे रानी कमलापति पहुँचेगी।

कोच संरचना- इस पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन में 04 सामान्य श्रेणी, 12 शयनयान श्रेणी, 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के कोच तथा 02 एलएलआरडी सहित कुल 24 कोच लगाए जाएंगे।

आगासोद स्टेशन पर यार्ड री-मॉडलिंग कार्य के कारण 02 जोड़ी विशेष ट्रेनों के 12 फेरे निरस्त

एक सत बुलेटिन, भोपाल

रेल प्रशासन द्वारा आगासोद स्टेशन पर किए जा रहे यार्ड री-मॉडलिंग कार्य के मद्देनजर यात्री सुविधा एवं रेल परिचालन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भोपाल मंडल होकर संचालित 02 जोड़ी विशेष ट्रेनों के फेरों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। निरस्त किए गए फेरों का विवरण निम्नानुसार है:-

1. कानपुर सेंट्रल-मदुरै साप्ताहिक विशेष ट्रेन

गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरै साप्ताहिक विशेष ट्रेन के दिनांक 30 सितम्बर, 07 अक्टूबर एवं 14 अक्टूबर 2026 के फेरे निरस्त रहेंगे।

इसी प्रकार वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 01926 मदुरै-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक विशेष ट्रेन के दिनांक 03 अक्टूबर, 10 अक्टूबर एवं 17 अक्टूबर 2026 के फेरे निरस्त रहेंगे।

2. प्रयागराज-यशवंतपुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन

गाड़ी संख्या 04149 प्रयागराज-यशवंतपुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन के दिनांक 30 सितम्बर, 07 अक्टूबर एवं 14 अक्टूबर 2026 के फेरे निरस्त रहेंगे।

वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 04150 यशवंतपुर-प्रयागराज साप्ताहिक विशेष ट्रेन के दिनांक 03 अक्टूबर, 10 अक्टूबर एवं 17 अक्टूबर 2026 के फेरे निरस्त रहेंगे। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि यात्रा से पूर्व अपनी ट्रेन के संचालन एवं समय-सारणी की जानकारी प्राप्त कर लें, ताकि यात्रा के दौरान असुविधा न हो।

रानी कमलापति स्टेशन पर 'मन की बात' के 138वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण

बड़ी संख्या में कुलियों, यात्रियों एवं रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक सुना प्रधानमंत्री का संबोधन

एक सत बुलेटिन, भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 138वें एपिसोड का आज 27 सितंबर 2026 को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कुली, यात्री, रेलकर्मी एवं स्टेशन पर उपस्थित अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और प्रधानमंत्री के संबोधन को सामूहिक रूप से सुना।

रानी कमलापति स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण यात्री केंद्र पर आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण रहा। यात्रियों ने अपनी यात्रा के दौरान कार्यक्रम का हिस्सा बनते हुए प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। वहीं, स्टेशन पर यात्रियों की सेवा में कार्यरत बड़ी संख्या में कुलियों ने भी अपने कार्य के साथ कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए मन की बात का सामूहिक श्रवण किया।

मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, नवाचार, जनभागीदारी एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रयासों को देशवासियों के सामने रखा जाता है। कार्यक्रम में आम नागरिकों की सहभागिता और उनके सकारात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करने पर भी विशेष जोर दिया जाता है।

रानी कमलापति स्टेशन पर आयोजित सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में यात्रियों और कुलियों की विशेष भागीदारी देखने को मिली। अलग-अलग स्थानों से यात्रा करने वाले यात्रियों ने कार्यक्रम में रुचि लेते हुए प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।

इससे यह संदेश भी सामने आया कि रेलवे स्टेशन केवल आवागमन का माध्यम ही नहीं, बल्कि जनसंपर्क और सामाजिक सहभागिता का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कुलियों एवं यात्रियों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता से कार्यक्रम में जनभागीदारी की भावना और सामूहिक जुड़ाव दिखाई दिया।

भोपाल मंडल द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से रेलकर्मियों के साथ-साथ रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों एवं अन्य हितधारकों को भी सामाजिक सरोकारों और जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया, मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी, बड़ी संख्या में कुली तथा यात्री उपस्थित रहे।

विश्व पर्यटन दिवस पर मिंटो हॉल से हुआ कार रैली का शुभारंभ

ट्रेजर हंट कार रैली में रोमांचक पहेलियों के साथ प्रतिभागियों ने खोजे पर्यटन स्थल

एक सत बुलेटिन, भोपाल

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रविवार को भोपाल सिटी लाइव एवं मध्यप्रदेश पर्यटन के सहयोग से मिंटो हॉल में ट्रेजर हंट कार रैली के दूसरे संस्करण का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य रोमांच और पहेलियों के माध्यम से प्रतिभागियों को भोपाल एवं मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों से जोड़ना तथा पर्यटन को नए और मनोरंजक अंदाज में अनुभव कराने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह जुम्बा सत्र से हुई। इसके बाद प्रतिभागियों को रैली की प्रक्रिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। मिंटो हॉल से कार रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि एक्सिलेंसी टाइम एंटरटेनमेंट के प्रबंध संचालक हरिओम जटिया ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान राकेश मलिक एवं आकाश मलिक, मध्यप्रदेश पर्यटन की नीलम रावत, पुलिस अधीक्षक रेडियो शशांक गर्ग, राहुल कोठारी, कार रैली के संयोजक आनंद शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। रैली के दौरान प्रतिभागियों को मध्यप्रदेश पर्यटन से जुड़े विभिन्न स्थलों तक पहुंचने के लिए रोमांचक संकेत और पहेलियां दी गईं। प्रतिभागियों ने टीम भावना के साथ पहेलियों को हल करते हुए विभिन्न पर्यटन स्थलों की खोज की। तकनीकी संचालन जीनियस ग्रुप के नीरज गुलाटी ने संभाला, जबकि कार्यक्रम का प्रबंधन इवेंट ट्री की कल्पना दिलौरी ने किया। रैली में गरिमा निचलानी और अमित अग्रवाल संयुक्त विजेता रहे। उन्हें 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। सागर मेघानी को तृतीय स्थान पर ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

ट्रेजर हंट कार रैली का सफर प्रतिभागियों के लिए रोमांच, उत्सुकता और टीम भावना से भरपूर रहा। रैली में सामान्य कार ड्राइव के बजाय प्रतिभागियों को अलग-अलग पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए संकेत, पहेलियां और चुनौतीपूर्ण सवाल दिए गए। प्रत्येक संकेत प्रतिभागियों को अगले पड़ाव की ओर ले जाता रहा और सही स्थान की पहचान के लिए टीम के सदस्यों को आपसी विचार-विमर्श करना पड़ा। कई मौकों पर एक छोटी-सी गलती प्रतिभागियों को गलत दिशा में ले जा सकती थी, जिससे उत्साह और रोमांच और बढ़ गया।

कार चलाते हुए रास्तों की पहचान करना, संकेतों को समझना और सीमित समय में पहेलियों का समाधान करना इस रैली की खासियत रही। प्रतिभागियों ने टीमवर्क और सूझबूझ के साथ चुनौतियों को पूरा किया। इस दौरान भोपाल के पर्यटन स्थलों को करीब से जानने और उन्हें नए नजरिए से देखने का अवसर भी मिला। कार ड्राइव, खोज और पहेली सुलझाने के इस अनूठे मेल ने रैली को यादगार बना दिया।

पोषण माह में आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित हुईं सहभागिता गतिविधिया

एक सत बुलेटिन, भोपाल

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत परियोजना बांणगंगा के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों में संवाद एवं जनसहभागिता बढ़ाने वाली गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा उदय संस्था के सहयोग से नेहरू नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1061 सहित अन्य केंद्रों पर सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक रूप से श्रवण किया गया। इसके साथ ही पोषण मटके, विभिन्न पौष्टिक आहार एवं संतुलित पोषण के महत्व की जानकारी उपस्थित महिलाओं, माताओं और बच्चों को दी गई।

इस अवसर पर सुपरवाइजर श्रीमती नीलम शर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, महिलाएं, धात्री माताएं, बच्चे, जनप्रतिनिधि तथा उदय संस्था की ओर से शीतल सहित लगभग 75 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को कुपोषण मुक्त, स्वस्थ एवं मजबूत भारत के निर्माण में योगदान देने की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम के दौरान दो आंगनवाड़ी कार्यकताओं को श्रीफल एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान हर घर तक सही पोषण का संदेश पहुंचाने और बच्चों, किशोरों एवं महिलाओं को स्वस्थ एवं सुपोषित बनाने का संकल्प दोहराया गया।

राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में एमपी ट्रांसको के स्टॉल को द्वितीय पुरस्कार

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में 22 से 26 सितंबर 2026 तक आयोजित 13 वे राज्य स्तरीय भोपाल विज्ञान मेले में ऊर्जा विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के स्टॉल को सरकारी क्षेत्र की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। ट्रांसमिशन प्रणाली से संबंधित विविध तकनीकी मॉडलों, आधुनिक संचार एवं निगरानी व्यवस्थाओं तथा जानकारीपरक प्रदर्शनों के कारण एमपी ट्रांसको का स्टॉल मेले के दौरान आगंतुकों और विद्यार्थियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

भारतीय फैंस को झटका, शटलर आयुष शेट्टी का 'मेंस सिंगल्स' में सफर समाप्त

इचिनोमिया सिटी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शटलर आयुष शेट्टी का सफर 'मेंस सिंगल्स' के तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। शनिवार को एक कड़े मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के टिएन-चेन चाउ के हाथों 16-21, 21-19, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष ने कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से मात देकर तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। वह चाउ से पहला गेम हारने के बाद वापसी करने में कामयाब रहे थे। टिएन-चेन चाउ के खिलाफ आयुष को यह हार तब मिली, जब उन्होंने दूसरे राउंड में ताजीबुल्लायेव को हराने में सिर्फ 21 मिनट लिए थे। वर्ल्ड नंबर 20 भारतीय खिलाड़ी ने

शुरू से ही उस मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया था।

वहीं, उन्नति हुड्डा ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल की और विमेंस सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाते हुए सिंगल्स इवेंट में भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा है। 79 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्नति हुड्डा ने 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 38 मलेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ 25वीं रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी ने मजबूत शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-14 से जीता। इसके बाद वोंग ने दूसरे गेम में बढ़त बनाई और आखिरी पलों में 22-20 से जीत हासिल करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। आखिरी गेम में कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन उन्नति ने 20-18 पर दो मैच प्वाइंट्स हासिल कर लिए।

केवी नेशनल गेम्स में जयपुर की बेटियां बनी चैम्पियन

देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराया

नई दिल्ली। गोलकीपर वृंदा टिंकर ने शानदार प्रदर्शन कर रोकी दो पेनल्टी जयपुर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बीरपुर देहरादून में आयोजित 55वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में जयपुर केन्द्रीय विद्यालय नम्बर 1 की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल अंडर-14 बालिका वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। यहां खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में केवी-1 जयपुर की

टीम ने मेजबान देहरादून को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से शिकस्त देकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और निर्धारित समय के साथ-साथ अतिरिक्त समय में भी कोई टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। फाइनल मुकाबला शुरू से ही रोमांच और संघर्ष से भरपूर रहा। दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन मजबूत रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग के कारण निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा। अतिरिक्त समय में भी स्थिति नहीं बदली। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया, जहां जयपुर की टीम ने शानदार संयम और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए बाजी मार ली। जयपुर की जीत में गोलकीपर वृंदा टिंकर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

अभय और अनाहत सिंह ने दिलाया रजत

चिनप्पा-सेंथिलकुमार ने जीता था कांस्य

स्क्वाश में भारत को मिले तीन पदक

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत का स्क्वाश में अभियान समाप्त हो गया है। भारत को इस स्पर्धा में कुल पदक मिले। जोशना चिनप्पा और सेंथुलकुमार वेलावन की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को कांस्य पदक जीते थे। वहीं, अभय सिंह और अनाहत सिंह ने अपने-अपने एकल मुकाबले में देश को रजत पदक दिलाए। पुरुष एकल में अभय और महिला एकल के फाइनल में अनाहत को हार मिली और इन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

स्वर्ण से चूके

अभय और अनाहत

अभय सिंह को पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में मलयेशिया के ऐन योउ एंग के हाथों हार मिली। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज अभय 18वीं रैंकिंग वाले योउ को चुनौती नहीं दे सके। पिछली बार के चैंपियन मलयेशियाई खिलाड़ी ने 11-9, 11-5, 11-5 से जीत दर्ज की। यह मलयेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अभय की आठवीं हार थी। इस स्पर्धा में बेस्ट ऑफ-5 होता है। यानी तीन गेम जीतने वाला खिलाड़ी मैच जीतता है। स्क्वाश में महिला एकल की फाइनल में अनाहत सिंह को मलयेशिया की सिवासंगारी सुब्रमणयम से 3-0 से हार मिली। सिवासंगारी ने 11-4, 11-4, 11-7 से मैच जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सिवासंगारी की विश्व रैंकिंग पांच है। वह पिछले एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट हैं। अनाहत के खिलाफ सिवासंगारी ने लगातार तीसरा मैच जीता है।

शॉट पुट में तेजिंदरपाल सिंह तूर ने भारत को दिलाया सिल्वर

नागोया। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन तेजिंदरपाल सिंह तूर लगातार तीसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल से चूक गए। शनिवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों के शॉट पुट फाइनल में उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, जबकि ईरान के मोहम्मदरेजा तयेबी ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ पहला स्थान हासिल किया। 2018 जकार्ता और 2022 हांग्जो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले तूर ने शनिवार को 20.06 मीटर के थ्रो के साथ मजबूत शुरुआत की और अपने दूसरे प्रयास में 20.26 मीटर का थ्रो करके मेडल की दौड़ में बने रहे। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी अपनी लय पाने के लिए संघर्ष करते दिखे; उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 19.77 मीटर और चौथे प्रयास में 19.71 मीटर का थ्रो किया। तूर ने अपने पांचवें थ्रो में 20.64 मीटर का बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन यह शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए नाकाफी था। तूर का छठा और अंतिम प्रयास फाउल करार दिया गया, जिससे प्रतियोगिता में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20.64 मीटर ही रहा।

दूसरी तरफ, मोहम्मदरेजा तयेबी ने 20.81 मीटर का निर्णायक थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता और तूर के पिछले एशियन गेम्स के 20.75 मीटर के रिकॉर्ड को बेहतर किया। तूर ने यह रिकॉर्ड 2018 में जकार्ता में खिताब जीतते समय बनाया था। सिल्वर जीतने के साथ तूर ने प्रत्येक एशियन गेम्स में मेडल जीतने का अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखा।

31 वर्षीय खिलाड़ी ने हांगझोऊ में 20.36 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सफलतापूर्वक अपना खिताब बचाया था। वह जून 2023 में भुवनेश्वर में बनाए गए 21.77 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक के तौर पर इस प्रतियोगिता में उतरे थे।

इससे पहले, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तूर पुरुषों के शॉट पुट में पांचवें स्थान पर रहे थे।

ओह येओनजी को हराकर प्रिया ने किया बड़ा उलटफेर

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

निशियो। कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया घांघस ने शनिवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में साउथ कोरिया की दो बार की वर्ल्ड मेडलिस्ट ओह येओनजी को सर्वसम्मति से 5-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। प्रिया ने प्री-क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और तीनों राउंड जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्हें पांच जजों से 30-27 के तीन कार्ड और 29-28 के दो कार्ड मिले। प्रिया ने पहला राउंड 5-0 से जीता; उन्होंने सटीक पंच लगाए और ओह को 'स्टैंडिंग काउंट' के लिए मजबूर किया, क्योंकि उनके जैब्स का सामना करना दो बार की मेडलिस्ट के लिए मुश्किल हो रहा था। प्रिया दूसरे राउंड में भी शानदार रहीं। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से बचाव किया और काउंटर-पंच भी लगाए। उनके बाएं जैब्स ने उन्हें दूसरा राउंड 5-0 से जीतने में मदद की। ओह ने प्रिया पर अटैक किया और हावी होने की कोशिश की, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने कुछ काउंटर-पंच लगाए और राउंड 3-2 से अपने पक्ष में करके मैच जीत लिया। प्रिया अब सोमवार को क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समादोवा से भिड़ेंगी और सेमीफाइनल में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। इससे पहले, कपिल ने पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में ईरान के सैम एस्ताकी को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया। कपिल सोमवार को क्वार्टर फाइनल (अंतिम आठ) मुकाबले में साउथ कोरिया के किम गिचे का सामना करेंगे। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमनी सिंह पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में फिलीपींस के कार्लो पालाम से हार गए।

ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद कोच रवींद्र ने कहा

'थाईलैंड में कबड्डी लोकप्रिय हो रही है'

तोकाई (जापान)। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने कहा कि एशियन गेम्स में देश का ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल वहां इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। 1990 में इस खेल की शुरुआत के बाद से महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का यह पहला पुरुष कबड्डी मेडल है। शुक्रवार को तोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में सेमीफाइनल में भारत से 28-66 से हारने के बाद थाईलैंड ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस नतीजे के साथ थाईलैंड का अभियान ऐतिहासिक पोडियम फिनिश के साथ खत्म हुआ और पुरुष कबड्डी में 36 साल बाद एशियन गेम्स में उनका पहला मेडल आया। रवींद्र पिछले तीन वर्षों से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहां बिल्कुल शुरुआत से काम शुरू किया था।

रवींद्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद शुरुआत की थी। उसके बाद मैंने काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं। अब, थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।'

भारतीय कंपाउंड और रिकर्व आर्चरी मिक्स्ड टीमें

सेमीफाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारत की कंपाउंड महिला और पुरुष मिक्स्ड टीमें रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में सेमीफाइनल में पहुंच गईं। चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को 159-154 से हराकर आखिरी चार में जगह बनाई। इस बीच, धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की रिकर्व जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया और बाद में क्वार्टर फाइनल में वियतनाम को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

कंपाउंड मिक्स्ड टीम मुकाबला भी अहम होगा। एलए28 में इस डिसिप्लिन का ऐतिहासिक ओलंपिक डेब्यू होने वाला है, ऐसे में एशियन गेम्स में एक कोटा जगह खाली है, जिससे कॉन्टिनेंटल सम्मान की लड़ाई में एक और रोमांच जुड़ गया है।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में कजाकिस्तान और भूटान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा को 233-230 से हराया।

कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेत्शे और टंडिन दोरजी को 235-232 से हराया।

कुल मिलाकर, एशियन गेम्स में एलए28 ओलंपिक गेम्स के लिए आठ कोटा जगहें खाली हैं।

अंकुश पुरुषों के 80 किग्रा, तो

परवीन महिलाओं के 65 किग्रा में सेमीफाइनल में पहुंचे, दो पदक पक्के

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय बॉक्सिंग के लिए रविवार का दिन शानदार रहा। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पंघाल और परवीन ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही भारत के दो और पदक पक्के हो गए हैं। अंकुश ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव को 5-0 से हराया, जबकि महिलाओं के 65 किग्रा में परवीन ने उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को इसी अंतर से मात दी।

अंकुश ने 5-0 से दर्ज की शानदार जीत- निशियो जिमनैजियम में खेले गए मुकाबले में अंकुश ने शुरुआत से ही सलीमोव पर दबाव बनाए रखा। पहले दो राउंड में भारतीय मुक्केबाज ने अपनी गति, पंच और डिफेंस से मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। दोनों राउंड अंकुश ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से अपने नाम किए। पहले राउंड में उन्होंने राइट हुक और 1-2 पंच का अच्छा इस्तेमाल किया। दूसरे राउंड में अंकुश ने अपने लेफ्ट हुक और काउंटर पंच से ताजिक मुक्केबाज को परेशान किया। तीसरे राउंड में सलीमोव ने वापसी की कोशिश की और 4-1 से राउंड अपने नाम किया। वह नॉकडाउन की तलाश में आक्रामक हुए, लेकिन अंकुश ने अपना डिफेंस मजबूत रखा। शुरुआती दो राउंड की बढ़त के दम पर भारतीय मुक्केबाज ने 5-0 से मुकाबला जीत लिया।

परवीन ने भी 5-0 से पक्का किया पदक- अंकुश के बाद परवीन ने महिलाओं के 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबाखोर खामिदोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीनों राउंड में भारतीय मुक्केबाज को सभी जजों का समर्थन मिला। परवीन की जीत के साथ ही भारत ने इस वर्ग में कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। अब उनकी नजर फाइनल में जगह बनाने और पदक का रंग बदलने पर होगी। बॉक्सिंग प्रतियोगिता के कार्यक्रम के मुताबिक अंकुश और परवीन दोनों के सेमीफाइनल मुकाबले 29 सितंबर को होने हैं।

सचिन और नरेंद्र से भी उम्मीद- भारत के लिए बॉक्सिंग में रविवार को दो और अहम मुकाबले बाकी हैं। सचिन सिवाच पुरुषों के 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जापान के शुनसुके कितामोटो के खिलाफ उतरेंगे। वहीं, पुरुषों के 90+ किग्रा वर्ग में नरेंद्र का सामना थाईलैंड के अदथापोंग सेंगटेप से होगा। दोनों मुकाबले जीतकर भारतीय मुक्केबाज पदकों की संख्या और बढ़ा सकते हैं।

कुराश में भारत को निराशा- कुराश में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान पदक के बिना समाप्त हुआ। विशाल पुरुषों के +90 किग्रा क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के कुनाथिप ये-ऑन से 0-5 से हार गए। संगीता बलहारा महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस की चार्मिया क्वेलिनो से 0-10 से हारीं। भारती को महिलाओं के 57 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ईरान की ताहेरेह अजरपेइवांड ने हराया, जबकि यश कुमार चौहान पुरुषों के +90 किग्रा राउंड ऑफ 16 में ताजिकिस्तान के शकरमामद मिरमामदोव से हार गए।

संक्षिप्त समाचार

यूएस विदेश विभाग का बड़ा बयानः अंतिम चरण में पहुंचा भारत-अमेरिका व्यापार सौदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौता अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है. अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दोनों देश इस समझौते के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को पूरा कर चुके हैं और अब केवल कुछ अंतिम बारीक विवरणों को सुलझाना बाकी है. इस ऐतिहासिक समझौते से दोनों देशों के द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को एक ऐसा नया स्तर और गति मिलेगी, जो पिछले कई दशकों में नहीं देखी गई है. व्यापार हमेशा से भारत और अमेरिका के रणनीतिक संबंधों में सबसे पेचीदा और संवेदनशील मुद्दा रहा है. पीटीआई के एक सवाल का जवाब देते हुए अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'व्यापारिक मोर्चे पर यह समझौता भारत–अमेरिका संबंधों को एक अलग ऊंचाई पर ले जाएगा. दोनों देशों के बीच व्यापारिक नीतियां हमेशा से एक बड़ा गतिरोध रही हैं. लेकिन अब हम इसके बेहद करीब हैं और बहुत जल्द इस संबंध में एक बड़ी और रोमांचक घोषणा देखने को मिल सकती है.' यह बड़ी आर्थिक कूटनीतिक सफलता ऐसे समय में आ रही है जब दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है. अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अक्टूबर 2026 में भारत का दौरा करने वाले हैं. इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर 2026 में अमेरिका के फ्लोरिडा में आयोजित होने वाले जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिका जाएंगे. अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान कई बड़े और रणनीतिक समझौतों की आधिकारिक घोषणाएं की जा सकती हैं. यह साल भारत और अमेरिका के राजनयिक इतिहास में बेहद असाधारण रहा है. यह पहली बार है जब दोनों देशों के विदेश मंत्री एक ही वर्ष में तीसरी बार मिलने जा रहे हैं, जो क्वाड देशों (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) के बीच बढ़ते आपसी विश्वास और रणनीतिक महत्व को दर्शाता है. इसके अलावा, मई 2027 में नई दिल्ली 'क्वाड' विदेश मंत्रियों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे हिंद–प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को और मजबूती मिलेगी. भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारा भी अमेरिका और भारत की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है. गति थोड़ी धीमी जरूर हुई है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि क्षेत्र में स्थिरता आते ही आईएमईसी कॉरिडोर का काम बेहद तेजी से आगे बढ़ेगा.

बाजार की अनिश्चितता के चलते प्रेस्टीज ग्रुप ने आतिथ्य कारोबार का 2,700 करोड़ रुपए का आईपीओ टाला

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स ने बाजार की अनिश्चित परिस्थितियों और अन्य वजहों का हवाला देते हुए अपने होटल कारोबार के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की योजना को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की सहायक इकाई प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स लिमिटेड (पीएचवीएल) ने आईपीओ लाने के लिए पिछले साल अप्रैल में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा किया था। कंपनी की सार्वजनिक निर्गम के जरिए 2,700 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना थी। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि निदेशक मंडल ने ''रणनीतिक विचारों और बाजार की अनिश्चित स्थितियों को देखते हुए डीआरएचपी वापस लेने'' का निर्णय लिया है। पीएचवीएल बाजार की अनुकूल परिस्थितियों, आवश्यक मंजूरियों और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए भविष्य में अपने इक्विटी शेयरों के आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष नए सिरे से मसौदा दस्तावेज दाखिल करने पर विचार कर सकती है। इस साल अगस्त में प्रेस्टीज एस्टेट्स ने बताया था कि कनाडा की निवेश फर्म सीपीपीआईबी उसकी आतिथ्य शाखा में 3,000 करोड़ रुपए तक का निवेश करेगी। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक है। यह प्रमुख शहरों में आवास, कार्यालय, मॉल और होटल विकसित करती है। कंपनी के पास कई होटल हैं।

मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर वैश्विक संकटों से मजबूती से लड़ रहा है भारतः आरबीआई बुलेटिन

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल और तनाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक राहत भरी खबर आई है. भारतीय रिज़र्व बैंक के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' लेख के अनुसार, भारत के वित्तीय और बाहरी क्षेत्र घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण बेहद सुरक्षित और सुदृढ़ स्थिति में हैं. हालांकि, रिज़र्व बैंक ने चेतावनी भी दी है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव और मौसम की अनिश्चितताएं आने वाले समय में देश के लिए बड़ी चुनौतियां बन सकती हैं.

सितंबर महीने में पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है. आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, तेल महंगा होने से दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित होने का खतरा बढ़ गया है. इससे भारत के भीतर भी महंगाई का दबाव दोबारा बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है. इसके अलावा, दुनिया की बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से उनके सरकारी खजाने पर दबाव देखा जा रहा है, जिसका थोड़ा-बहुत असर वैश्विक बाजारों पर भी पड़ रहा है.

इन तमाम अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार सकल घरेलू उत्पाद विकास दर दर्ज की है. लेख में स्पष्ट किया गया है कि देश का वास्तविक आर्थिक आधार इतना मजबूत है कि वह बाहरी झटकों को

आसानी से झेल रहा है. अगस्त और सितंबर के दौरान देश के शेयर बाजारों में सुस्ती जरूर देखी गई, क्योंकि वैश्विक तनाव और बढ़ते बॉन्ड यील्ड के कारण निवेशकों ने फूंक-फूंक कर कदम रखा. इसके चलते सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसे निकाले, जबकि अगस्त में उन्होंने जमकर निवेश किया था.

भारत के लिए सबसे बड़ी मजबूती इसका विदेशी मुद्रा भंडार है. जून में सरकार और आरबीआई द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 सितंबर 2026 तक बढ़कर 765.9 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है. इसके साथ ही, जुलाई महीने में देश में आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पिछले पांच वर्षों में किसी भी एक महीने के मुकाबले सबसे ऊंचे स्तर पर रहा. अप्रवासी भारतीयों (ह्त्रढ्ढ) द्वारा बैंकों में जमा की जाने वाली रकम में भी भारी बढ़ोतरी देखी गई है. सेवाओं के निर्यात और विदेशों से आने वाले रेमिटेंस (प्रवासियों द्वारा भेजा गया धन) के दम पर भारत का चालू खाता घाटा भी पूरी तरह नियंत्रण में है.

देश के बैंकिंग सिस्टम में नकदी की कोई कमी नहीं है. अगस्त और सितंबर के शुरुआती हफ्तों में बैंकों के पास पर्याप्त सरप्लस पैसा उपलब्ध रहा. इसका मुख्य कारण यह था कि बैंकों ने आरबीआई की विशेष विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा का भरपूर लाभ उठाया. हालांकि, सितंबर के आखिरी दिनों में एडवांस टैक्स के भुगतान के कारण बैंकों से पैसा बाहर निकला, जिससे नकदी थोड़ी संतुलित हुई. अच्छी बात यह है कि देश में बैंकों के पास जमा होने वाले पैसे की रफ्तार तेज हुई है और बाजार में लोन की मांग भी अपनी मजबूत गति बनाए हुए है.

प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमत वृद्धि मामले में मुंबई दुनिया में 8वें स्थान परः नाइट फ्रैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमतों में जून तिमाही में सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मुंबई दुनिया के 46 शहरों में आठवें स्थान पर रहा। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया ने यह कहा। आलोच्य तिमाही में दुनिया में प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमतों में सालाना औसतन 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कुल 46 शहरों में से 32 में सालाना आधार पर आवासीय संपत्तियों की कीमतें बढ़ीं। नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार, बेंगलुरु 4.5 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 12वें और नयी दिल्ली 3.9 प्रतिशत वृद्धि के साथ 17वें स्थान पर रही। आंकड़ों के अनुसार, तोक्यो 50.7 प्रतिशत की सालाना मूल्य वृद्धि के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद क्रमशः मनीला (14.6 प्रतिशत), दुबई (10.9 प्रतिशत), सिंगापुर (9.5 प्रतिशत) और नैरोबी (8.5 प्रतिशत) का स्थान रहा। क्राइस्टचर्च 6.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ छठे और सियोल 6.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ सातवें स्थान पर रहा। वियना 5.9 प्रतिशत वृद्धि के साथ नौवें और सैन फ्रांसिस्को पांच प्रतिशत वृद्धि के साथ 10वें स्थान पर रहा। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर आवासीय संपत्तियों की कीमतों में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि के बीच मुंबई का शीर्ष 10 प्रमुख आवासीय बाजारों में शामिल होना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि शहर में 6.2 प्रतिशत की सालाना वृद्धि प्रमुख आवासीय बाजार में मजबूत मांग को दर्शाती है। इस बाजार में स्थान, गुणवत्ता और अलग तरह की आवासीय पेशकश संपत्तियों के मूल्य को समर्थन दे रही हैं।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले महंगे हुए सोना-चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आज आप सोने-चांदी की खरीदारी करने का सोच रहे हैं तो आपके लिए खबर है. त्योहारी सीजन से ठीक पहले सोना और चांदी दोनों महंगे हो गए हैं. शुक्रवार 25 सितंबर को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई. ग्लोबल बैंक यह दावा कर रहे हैं कि दिवाली तक सोने के दाम आसमान छू सकते हैं. वहीं चांदी को लेकर क्क

ने दावा किया है कि चांदी के दाम तेजी से बढ़ेंगे. ऐसे में आज ग्लोबल और घरेलू बाजार के रेट्स क्या हैं और स्ष्टङ्ग पर सोना कहां ट्रेड कर रहा है, ये जानते हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (स्ष्टङ्ग) पर अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने का अनुबंध 150 यानी 0.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,50,860 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. बाजार विश्लेषकों का कहना है कि स्थानीय ज्वेलर्स की ओर से आई मजबूत हाजिर मांग के बाद बाजार सहभागियों द्वारा नई पोजीशन बनाने के कारण सोने की कीमतों में यह सुधार देखा गया है. दूसरी ओर, वैश्विक मंच पर भी तेजी रही और न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.01 प्रतिशत बढ़कर 4,275.38 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था.

हाईवे पर थम सकते हैं ट्रकों के पहिये

बैंक हड़ताल से ज्वेलर्स और ट्रांसपोर्टर्स के सामने खड़ा हुआ बड़ा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। 28 से 30 सितंबर 2026 तक होने वाली तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के कारण देश के दो सबसे बड़े कारोबारी क्षेत्रों–ज्वेलरी और रोड ट्रांसपोर्ट–पर नकदी और सुरक्षा का गंभीर संकट मंडरा रहा है. यह हड़ताल महीने के अंत में ऐसे समय पर हो रही है जब बैंकों में छमाही क्लोजिंग का जरूरी काम होता है. इसके साथ ही, हड़ताल से ठीक पहले चौथा शनिवार और रविवार होने के कारण लगातार 5 दिनों तक देश में फिजिकल बैंकिंग सेवाएं ठप रहने की आशंका है.

यह हड़ताल 'यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस' द्वारा मुख्य रूप से हफ्ते में 5 दिन काम की मांग को लेकर बुलाई गई है. हालांकि ऑनलाइन पेमेंट जैसे यूपीआई, नेट बैंकिंग और आईएमपीएस चालू रहेंगे, लेकिन बैंकों की शाखाएं बंद रहने से भारी-भरकम कैश जमा करने और चेक क्लियरिंग का काम पूरी तरह रुक जाएगा. घरेलू रत्न और आभूषण परिषद के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने 'ईटीवी भारत' से बातचीत में इस संकट की गंभीरता को उजागर किया है. 1,000 करोड़ का दैनिक नकद लेनदेनः राजेश रोकड़े के अनुसार, भारत का घरेलू ज्वेलरी बाजार करीब 10 लाख करोड़ रुपये का है. पहले इस इंडस्ट्री का आधा कारोबार कैश में होता था. आज भी इस सेक्टर में रोजाना 800 से 1,000 करोड़ रुपये का नकद लेनदेन होता है. दुकानों में कैश डंप होने का खतराः 5 दिनों तक बैंक बंद रहने के कारण सराफा व्यापारियों के पास लगभग 4,000 से 5,000 करोड़ रुपये का कैश जमा हो जाएगा. व्यापारियों के लिए इतने बड़े कैश को सुरक्षित रखना सबसे बड़ी चुनौती है।

चोरी और लूटपाट का डर

दुकानों या लॉकरों में भारी मात्रा में नकदी रखने से सुरक्षा का खतरा बहुत बढ़ जाता है. इससे व्यापारियों की कामकाजी पूंजी भी फंस जाएगी, जिससे वे नए ऑर्डर या सोने की डिलीवरी के लिए भुगतान नहीं कर पाएंगे. ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरीश सभरवाल ने बताया कि इस हड़ताल का सीधा असर देश की लाइफलाइन यानी माल ढुलाई और यात्री परिवहन पर पड़ेगा. देश के हाईवे पर नेशनल परमिट के तहत चलने वाले ट्रकों, बसों, मिनी बसों और टैक्सियों को मिलाकर कुल 90 लाख कमर्शियल वाहन दौड़ते हैं. इनमें करीब 17 लाख केवल बसें और यात्री वाहन हैं. डॉ. सभरवाल के अनुसार, लंबी दूरी के एक वाहन को केवल टोल टैक्स चुकाने के लिए औसतन 50,000 से 70,000 की जरूरत होती है. उदाहरण के लिए, कोलकाता के एक राउंड–ट्रिप का टोल खर्च ही करीब 35,000 आता है. यदि बैंकों की हड़ताल के कारण ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को कैश नहीं मिला।

क्रेडिट-लाइफ इंश्योरर्स की बल्ले-बल्लेः आईआरडीएआई के नए नियमों से इन बीमा कंपनियों को मिलेगा फ़ायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बीमा नियामक द्वारा इंश्योरेंस एजेंटों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन में कटौती के प्रस्तावित नियमों से लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को बड़ा वित्तीय लाभ मिल सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों का क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस ज़्यादा है, उन्हें कमीशन की प्रस्तावित कम दरों से फ़ायदा हो सकता है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों के 'एनुअलाइज़्ड प्रीमियम इक्विवेलेंट' में क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस का हिस्सा ज़्यादा है, उन्हें इंश्योरेंस रेगुलेटर द्वारा कमीशन दरों में प्रस्तावित बदलावों से फ़ायदा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के प्रस्तावित नियमों से पूरी लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री में कमीशन का भुगतान कम हो सकता है

खर्चों पर ज़्यादा सख्ती से नियंत्रण किया जा सकता है। इसमें कहा गया है, 'हमारा मानना है कि लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को कमीशन की कम दरों से फ़ायदा होगा, खासकर उन कंपनियों को जिनका एपीई में क्रेडिट-लाइफ का हिस्सा ज़्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन कंपनियों का क्रेडिट-लाइफ एक्सपोज़र ज़्यादा है, उन्हें ऐसे प्रोडक्ट्स के लिए कमीशन दरों में भारी कटौती से फ़ायदा हो सकता है। प्रस्तावित ढांचे के तहत, क्रेडिट-लाइफ प्रोडक्ट्स के लिए कमीशन दरें घटाकर 2 प्रतिशत की जा सकती हैं। प्रतिशत कर दी जाएगी। सेंट्रम ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली कम लागत वाली इंश्योरेंस कंपनियां आखिरकार अपने खर्च के स्तर को लगभग 10 प्रतिशत तक ला सकती हैं। खर्च की नई सीमाओं को लागू करने के लिए, कमीशन का भुगतान प्रोडक्ट के स्ट्रक्चर, पॉलिसी की अवधि और डिस्ट्रीब्यूशन चैनल के आधार पर तय किया जाएगा। प्रस्तावित कमीशन दरें 10 साल या उससे ज़्यादा समय की लंबी अवधि वाली पॉलिसी बेचने वाले व्यक्तिगत एजेंटों के लिए 25 प्रतिशत से लेकर सिंगल-प्रीमियम पॉलिसी के लिए 2-10 प्रतिशत तक हैं।

डिस्ट्रीब्यूटर्स कम कमीशन के हिसाब से खुद को ढालेंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इन बदलावों से कंपनियां रिटेल प्रोटेक्शन प्रोडक्ट्स पर ज़्यादा ध्यान देने, खर्च कम रखने और अपनी बिज़नेस रणनीतियों में बदलाव करने के लिए प्रेरित हो सकती हैं, क्योंकि डिस्ट्रीब्यूटर्स कम कमीशन के हिसाब से खुद को ढालेंगे। सेंट्रम ने कहा, 'संरचनात्मक रूप से, हमें उम्मीद है कि कंपनियां रिटेल प्रोटेक्शन पर ज़्यादा ध्यान देंगी, खर्च कम रखेंगी और कुछ कैटेगरी में वॉल्यूम कम देखेंगी क्योंकि डिस्ट्रीब्यूटर्स कम कमीशन के हिसाब से खुद को ढालेंगे।' 'एक्सपेंस ऑफ़ मैनेजमेंट' की सीमा को स्नङ्क28 से शुरू होने वाले दो वर्षों के भीतर 'ग्रॉस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम' के 15 प्रतिशत तक सीमित कर दिया।

शीर्ष नौ शहरों में जुलाई–सितंबर के बीच आवास बिक्री 6 प्रतिशत घटकर 1.03 लाख इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के नौ प्रमुख शहरों में आवास बिक्री जुलाई-सितंबर तिमाही में छह प्रतिशत घटकर 1.03 लाख इकाई रह गई। रियल एस्टेट के आंकड़ों का अवलोकन करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी ने यह जानकारी दी। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने भी घर खरीदने की धारणा को प्रभावित किया है। प्रॉपइक्विटी ने मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे और कोलकाता के प्राथमिक आवासीय बाजारों के आंकड़े जारी किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही में इन नौ शहरों में आवास बिक्री 1,03,170 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,09,420 इकाई थी। समीक्षाधीन तिमाही में नए घरों की आपूर्ति घटकर 98,165 इकाई रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,00,330 इकाई की नई आपूर्ति हुई थी। आमतौर पर जुलाई-सितंबर तिमाही में मानसून के कारण आवासीय बिक्री

धीमी रहती है। बारिश के चलते रियल एस्टेट डेवलपर नयी परियोजनाएं शुरू करने से बचते हैं।

वहीं, दिसंबर तिमाही में त्योहारी मांग बढ़ने से बिक्री में सुधार आता है। इस मांग का लाभ उठाने के लिए डेवलपर नई आपूर्ति बढ़ाने के साथ ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन भी देते हैं। इन प्रमुख शहरों में से बेंगलुरु में बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 17,340 इकाई हो गई, जो पिछले साल 17,170 इकाई थी। हैदराबाद में बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 15,470 इकाई रही, जबकि पिछले साल यह 13,890 इकाई थी। मुंबई में आवास बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 9,830 इकाई रही।

बिक्री 12 प्रतिशत घटकर 8,090 इकाई रही

मुंबई महानगर क्षेत्र के ठाणे में बिक्री जुलाई–सितंबर तिमाही में 11 प्रतिशत घटकर 16,230 इकाई रही, जबकि नवी मुंबई में बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 9,810 इकाई हो गई। पुणे में आवास बिक्री 16 प्रतिशत घटकर 17,860 इकाई रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 21,190 इकाई थी। दिल्ली–एनसीआर में बिक्री 12 प्रतिशत घटकर 8,090 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,230 इकाइयां थीं। चेन्नई में आवास बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 4,680 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल यह 5,640 इकाई थी। कोलकाता में भी आवास बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 3,860 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में 4,640 इकाई थी। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समीर जसूजा ने कहा कि शीर्ष श्रेणी के शहरों में आवासीय संपत्तियों की नई आपूर्ति और बिक्री अब भी तिमाही आधार पर करीब एक लाख इकाइयों के आसपास बनी हुई है।

एडरॉयट इंडस्ट्रीज के आईपीओ को 177 गुना बोली मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। एडरॉयट इंडस्ट्रीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन करीब 177 गुना अभिदान मिला। इसके साथ ही चार सार्वजनिक निर्गम अधिक अभिदान के साथ बंद हुए। अन्य तीन आईपीओ स्वास्तिका इंफ्रा, एलिवेट कैम्पसेज और आरमी इंफोटेक के हैं। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, एडरॉयट इंडस्ट्रीज के 151 करोड़ रुपए के आईपीओ में 78,72,900 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 1,39,22,95,200 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। इस तरह आईपीओ 176.85 गुना अभिदान हुआ। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को 332.35 गुना, पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के हिस्से को 195.04 गुना और खुदरा निवेशकों के हिस्से को 99.81 गुना अभिदान मिला। एडरॉयट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड के आईपीओ का मूल्य दायरा 126-134 रुपए प्रति शेयर है। इसमें 98,97,000 तक नए इक्विटी शेयरों का निर्गम और 13,50,000 तक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। विद्यार्थियों के लिए आवास सुविधाएं और किंडरगार्टन से 12वीं कक्षा तक की स्कूली शिक्षा से जुड़ी कंपनी एलिवेट कैम्पसेज के 2,100 करोड़ रुपए के आईपीओ को शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 1.79 गुना अभिदान मिला। इसे

3,36,73,468 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 6,02,86,769 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। एलिवेट कैम्पसेज के आईपीओ में नए इक्विटी शेयरों का निर्गम शामिल है और बिक्री पेशकश का कोई हिस्सा नहीं है। इसका मूल्य दायरा 343-362 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। ऊपरी मूल्य दायरे पर कंपनी का मूल्यांकन 6,100 करोड़ रुपए से अधिक होगा। स्वास्तिका इंफ्रा के 161 करोड़ रुपए के आईपीओ को शुक्रवार को 7.60 गुना अभिदान मिला।

न्यूज ब्रीफ

वर्षों बाद खुशियों की दास्ताँ
जल जीवन मिशन बना बदलाव की नई तस्वीर

भिण्ड। हर घर तक स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शासन द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित नल-जल योजनाओं का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रारंभ हुए इस महत्वाकांक्षी अभियान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भिण्ड जिला निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। भिण्ड जिले के विकासखण्ड गोहद के पाँच गाँव–हिन्नाईपुरा, जनकपुरा, मुड़ेना, केशवपुरा और कालोनी–लंबे समय से खारे पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे थे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन योजना के तहत कड़ी मेहनत के बाद नैनोली हार क्षेत्र में मीठे पानी का एक विश्वसनीय स्त्रोत खोजा। विभाग की टीम ने इस स्त्रोत से पाँच बोर करवाए और लगभग 5 किलोमीटर की दूरी से पाइपलाइन बिछाकर इन पाँचों गाँवों तक मीठा पेयजल पहुँचाया। इस पहल से कुल 1843 ग्रामीणों को अब सुरक्षित और निरंतर पीने का पानी उपलब्ध हो रहा है। ग्रामीणों ने इस व्यवस्था को खुशियों की दास्ताँ बताते हुए सराहना की है, क्योंकि वर्षों बाद उन्हें दूर-दराज से पानी भरकर लाने की मजबूरी से राहत मिली है। यह सफलता जल जीवन मिशन के लक्ष्य–हर घर को नल से जल–की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। जल जीवन मिशन के प्रभाव से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की तस्वीर में उल्लेखनीय बदलाव आया है। जिन गांवों में पहले खारा पानी था, ग्रामीणों को विशेषकर महिलाओं को दूर-दराज के कुओं, तालाबों एवं अन्य जलस्त्रोतों से पानी लाने के लिए काफी समय और श्रम करना पड़ता था, वहीं अब घर-घर नल के माध्यम से स्वच्छ मीठा पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

फसल बीमा योजना के तहत स्थानीय आपदा खड़ी फसल और कटाई के बाद होने वाले नुकसान पर भी मिलेगा दावा लाभ

भिण्ड। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को फसल नुकसान की स्थिति में समय पर सूचना देने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसानों को फसल बीमा से संबंधित जानकारी, सहायता तथा फसल नुकसान की सूचना के लिए टोल-फ्री नंबर 14447 पर संपर्क करने की सलाह दी गई है। कृषि विभाग के अनुसार, यदि खड़ी फसल को स्थानीय आपदा के कारण नुकसान होता है, तो किसान व्यक्तिगत आधार पर नुकसान की सूचना दे सकते हैं। स्थानीय आपदाओं में ओलावृष्टि, जलभराव, अधिक वर्षा एवं आकाशीय बिजली गिरना जैसी घटनाएं शामिल हैं। ऐसी स्थिति में किसान को नुकसान की घटना के 72 घंटे के भीतर सूचना देना आवश्यक है। इसी प्रकार फसल कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए रखी गई फसल को होने वाले नुकसान के लिए भी निर्धारित प्रावधानों के तहत दावा किया जा सकता है। कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को ओलावृष्टि, चक्रवात, चक्रवाती वर्षा एवं बेमौसम वर्षा से नुकसान होने पर कटाई के उपरांत अधिकतम 14 दिनों की अवधि तक घटना आपदा के 72 घंटे के भीतर सूचना देकर दावा किया जा सकता है। नुकसान की सूचना प्राप्त होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार व्यक्तिगत आधार पर क्षति का आकलन किया जाता है। किसानों को सलाह दी गई है कि प्राकृतिक आपदा से फसल को नुकसान होने की स्थिति में सूचना देने में देरी न करें तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराएं। किसान अपनी फसल बीमा संबंधी समस्या, दावा एवं अन्य जानकारी के लिए भी टोल-फ्री नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना चैटबॉट नंबर 7065514447 के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उप संचालक कृषि भिण्ड के द्वारा किसानों से अपील की गई है कि फसल नुकसान की स्थिति में समय सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए तत्काल सूचना दें, ताकि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नुकसान का आकलन कर बीमा दावा संबंधी कार्रवाई की जा सके।

वरिष्ठ उद्घोषक विनय उपाध्याय को दिया राजुरकर राज स्मृति सम्मान

राजुरकर राज ने साहित्यकारों को जोड़ने की परंपरा बनाई : संतोष चौबे

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में आयोजित समारोह में इस वर्ष का राजुरकर राज स्मृति सम्मान वरिष्ठ उद्घोषक एवं संपादक विनय उपाध्याय को प्रदान किया गया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार मनोज श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि डॉ. सीमा रायजादा तथा सारस्वत अतिथि अरविंद सोनी उपस्थित रहे।आरंभ में कार्यक्रम की भूमिका संस्थान की सचिव करुणा राजुरकर ने रखी। अंत में आभार प्रदर्शन संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर ने किया।

अध्यक्षता करते हुए संतोष चौबे ने कहा कि हिंदी बोलने में बहुत अच्छी लगती है, बस उसे बोलने का तरीका आना चाहिए और यह तरीका विनय उपाध्याय के पास है। उन्होंने कहा कि राजुरकर राज स्वयं लेखक नहीं थे, लेकिन उन्होंने साहित्यकारों को जोड़कर साथ चलने की परंपरा शुरू की और लेखकों के साथ संवाद कायम किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार मनोज श्रीवास्तव ने राजुरकर राज की स्मृति को साझा करते हुए कहा कि वे उद्घोषक तो थे ही, इसके साथ ही वे एक सहज और अहंकार से रहित व्यक्ति थे। और आज जिनको सम्मानित किया गया वे भी नदी के पुल की तरह है, हमेशा दूसरों को पार करवाते हैं। उन्होंने हिन्दी को मंच पर लोकप्रिय करने के लिए अपना सर्वस्व दिया। विनय उपाध्याय ने भी नदी के पुल की तरह हमेशा दूसरों को आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने हिंदी को मंच पर लोकप्रिय बनाने के लिए अपना सर्वस्व दिया और हजारों सांस्कृतिक कार्यक्रमों को जीवंत किया। उद्घोषणा सांस्कृतिक मध्यस्थता का कार्य है। डॉ. सीमा रायजादा ने कहा कि जो लोग समय, संस्कृति और समाज को समझकर काम करते हैं, वे आगे बढ़ते हैं। ऐसे लोग बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी होते हैं।

सम्मानित विनय उपाध्याय ने कहा कि राजुरकर राज ने एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संस्था के रूप में अनेक कार्य किए। साहित्य, कला और संस्कृति के संरक्षण के साथ उन्होंने साहित्यकारों की रचनाओं को भी सहेजा। दुष्यंत कुमार संग्रहालय इसका उदाहरण है। उन्होंने वाद-विवाद से बचते हुए संतुलन के साथ अपने कार्य को आगे बढ़ाया।

वरिष्ठ साहित्यकार विजय कुमार देव ने राजुरकर राज के साथ अपने संस्मरण साझा किए। अरविंद सोनी ने आकाशवाणी भोपाल में उनके साथ कार्य करने का स्मरण करते हुए कहा कि वे अपने कर्तव्य के प्रति सदैव गंभीर रहते थे और लेखन को निरंतर बनाए रखा।

कार्यक्रम का संचालन विशाखा राजुरकर राज ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साहित्यकार, लेखक और पत्रकार उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि संग्रहालय के संस्थापक राजुरकर राज की स्मृति में 11 हजार रुपए राशि का यह सम्मान प्रतिवर्ष दिया जाता है। पूर्व में यह सम्मान राकेश पांडे (दिल्ली), पद्मश्री विजयदत्त (भोपाल) और यूनुस खान (मुंबई) को प्रदान किया जा चुका है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा का आयोजन

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा के द्वितीय दिवस पर परियोजना बाणगंगा के सेक्टर झरनेश्वर में महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण एवं सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी दी गई तथा संवाद एवं सहभागिता के माध्यम से उन्हें संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात का श्रवण भी किया।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक तथा भाजपा की जनप्रतिनिधि श्रीमती अर्चना सोलंकी उपस्थित रहीं। इस दौरान पोषण मटका, रंगोली एवं महिला की गोद भराई जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

कार्यक्रम में लगभग 25 महिलाओं ने सहभागिता की। प्रतिभागियों को बेहतर पोषण के प्रति जागरूक रहने और अपने परिवार तक पोषण का संदेश पहुंचाने की शपथ दिलाई गई। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान हर घर तक सही पोषण का संदेश पहुंचाने का संकल्प भी सभी ने दोहराया।

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित महिलाओं एवं प्रतिभागियों को फल एवं मिठाइयों का वितरण किया गया।

कहानी बदलाव की : पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प ने सरिता के हुनर को दी नई उड़ान

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में साकार किया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाएं छोटे उद्यमियों के हुनर को अवसर और उनके सपनों को नई उड़ान दे रही हैं। भोपाल जिले के फंदा विकासखंड की श्रीमती सरिता कुशवाह की सफलता इस बदलाव की प्रेरक मिसाल है।

कभी सीमित संसाधनों के कारण छोटे स्तर पर व्यवसाय करने वाली सरिता आज आधुनिक मशीनों, बेहतर गुणवत्ता, आकर्षक पैकेजिंग और अपने स्थानीय ब्रांड के साथ मसाला एवं कच्ची घानी तेल का सफल उद्यम संचालित कर रही हैं। सभी खर्चों और बैंक ऋण की किश्त चुकाने के बाद वे प्रतिमाह लगभग 70 से 80 हजार रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित कर रही हैं।

सरिता को मसाले और कच्ची घानी तेल तैयार करने का हुनर था। उनमें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का हौसला भी था, लेकिन आधुनिक मशीनरी खरीदने और उत्पादन बढ़ाने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं थी। सीमित संसाधनों के कारण उनका व्यवसाय छोटे स्तर तक ही सीमित था और अपेक्षित आय भी नहीं हो पा रही थी।

प्रधानमंत्री की योजना बनी बदलाव का आधार

सरिता के जीवन में बदलाव तब आया, जब उन्हें उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना–पीएमएफएमई की जानकारी मिली। विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में उन्होंने मसाला एवं कच्ची घानी तेल प्रसंस्करण इकाई के विस्तार के लिए आवेदन किया।

वर्ष 2025-26 में यूको बैंक, भोपाल द्वारा उन्हें 14 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। योजना के अंतर्गत उन्हें ऋण राशि पर 35 प्रतिशत अनुदान का लाभ मिला। इस वित्तीय सहायता ने उनके हुनर को आधुनिक और व्यवस्थित उद्यम में बदलने की राह आसान कर दी।

ऋण राशि से सरिता ने अपनी इकाई में कोल्ड प्रेस ऑयल मशीन, ऑयल फिल्टर मशीन, मसाला पल्वराइजर मशीन और ऑटोमेटिक पैकेजिंग मशीन स्थापित कीं। आधुनिक मशीनरी से उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ उत्पादों की गुणवत्ता, स्वच्छता और पैकेजिंग में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ। सरिता ने अपने उत्पादों को ह्नमनोज मसाला एवं ऑयलह्व नाम से स्थानीय ब्रांड के रूप में बाजार में उतारा। बेहतर गुणवत्ता और आकर्षक पैकेजिंग के कारण उनके उत्पादों को बाजार में पहचान मिली और कारोबार लगातार बढ़ने लगा।

10 हजार से बढ़कर 80 हजार रुपये हुई मासिक आय

पूर्व में छोटे स्तर पर किए जा रहे फूलों के व्यवसाय से सरिता को लगभग 8 से 10 हजार रुपये प्रतिमाह की आय होती थी। पीएमएफएमई योजना के सहयोग से व्यवसाय का विस्तार होने के बाद अब वे सभी व्यय और बैंक ऋण की किश्तों का भुगतान करने के पश्चात लगभग 70 से 80 हजार रुपये प्रतिमाह का शुद्ध मुनाफा अर्जित कर रही हैं। उनकी सफलता केवल स्वयं की आर्थिक आत्मनिर्भरता तक सीमित नहीं है। व्यवसाय बढ़ने के साथ सरिता ने स्थानीय स्तर पर तीन युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराया है। उनका उद्यम अब उनके परिवार के साथ अन्य परिवारों की आजीविका का भी माध्यम बन गया है।

सरकार के सहयोग ने सपने को बनाया साकार

सरिता अपनी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई पीएमएफएमई योजना तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को देती हैं। वे जिला प्रशासन भोपाल और उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से मिले मार्गदर्शन के लिए भी आभार व्यक्त करती हैं।

'मन की बात' से प्रेरणा लेकर आयुर्वेद को जनकल्याण से जोड़ें : राज्यपाल मंगुभाई पटेल

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मन की बात से प्रेरणा लेकर आयुर्वेद को जनकल्याण से जोड़ें, क्योंकि आने वाला समय आयुर्वेद का है। आवश्यकता उसके ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन, प्रकृति संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश समाज तक पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आयुर्वेद को केवल उपचार तक सीमित नहीं रखें। उसके ज्ञान से रोग नियंत्रण, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने आयुर्वेद महाविद्यालय को शिक्षा, शोध, सेवा और जन-जागरूकता को एक साथ आगे बढ़ाने का केंद्र बनने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य का संबंध केवल दवा से नहीं, बल्कि स्वच्छता, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग, व्यायाम और सकारात्मक सोच से भी है।

राज्यपाल श्री पटेल पं. खुशीलाल शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान के रजत जयंती सभागार में रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के प्रसारण से पूर्व श्रोताओं को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मन की बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के नागरिकों से संवाद का नवाचार है, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रेरक कार्य और अनुभव सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम सामान्य नागरिकों के छोटे प्रयासों और जन भागीदारी की उपयोगी पहल को सामने लाकर समाज और राष्ट्र के लिए सकारात्मक कार्य करने की प्रेरणा देता है। जागरूक नागरिक अपने स्तर पर निरंतर प्रयासों से समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकते हैं। मन की बात यह संदेश देती है कि समाज में बदलाव केवल बड़े प्रयासों से नहीं, बल्कि छोटे और निरंतर कार्यों से भी संभव है। उन्होंने उदाहरण दिया कि किसी गांव में एक विद्यार्थी भी स्वास्थ्य जागरूकता का छोटा अभियान शुरू कर अनेक परिवारों तक उसका प्रभाव पहुंचा सकता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आधुनिक समय में जीवनशैली से जुड़ी अनेक चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और अनुशासित दिनचर्या अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन और सक्रिय बुद्धि का निर्माण होता है। उन्होंने संतुलित आहार, मिलेट के सेवन, पर्याप्त पानी पीने, नियमित व्यायाम और कम तेल के उपयोग को स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया। कोविड के दौरान गिलोय की महत्ता को बताते हुए अधिकांश पेड़-पौधों में औषधीय गुण होने की बात कही।

अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य ने कन्या छात्रावास का किया निरीक्षण

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस के उपलक्ष्य में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री बारेलाल अहिरवार ने रविवार को शासकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास, पंचशील नगर, भोपाल का निरीक्षण किया।

श्री अहिरवार ने छात्रावास परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने छात्रावास में निवासरत छात्राओं से संवाद किया और प्रतिभाशाली छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

श्री अहिरवार ने छात्राओं को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारोन्मुखी एवं स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से इन योजनाओं का लाभ लेकर शिक्षा और कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन–474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)–474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें– ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755–4515227, मोबाइल: 9691653088